नई दिल्ली। शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 268/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल महिला तीरंदाजों ने स्वर्ण पर लगाया निशाना...
@ विचार गांधी जी का रामराज्य और भारत...
@ व्यापार वंदे भारत कटरा-बनिहाल सेक्शन में 100 किलोमीटर...

खबर झरोखा

गुजरात में यूसीसी को राष्ट्रपति की मंजूरी



गांधीनगर। गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गया है। गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई है। इसके बाद राज्य सरकार ने राजपत्र अधिसूचना भी जारी कर दी है और राज्य में कानून को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। गुजरात विधानसभा ने मार्च 2026 में गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया था।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग सीजेपी का जेल भरो आंदोलन

मुंबई। मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क से शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जेल भरो आंदोलन शुरू किया। प्रदर्शन की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क के गेट नंबर 6 के पास से हुई। इस आंदोलन को बाद में गोवा, कोलकाता समेत देश के दूसरे हिस्सों तक ले जाने और आखिर में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देने की बात कही गई है। अभिजीत दीपके ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुंबई से आंदोलन शुरू करने का फैसला सोच-समझकर लिया गया है।

बेटियों का स्वर्णिम कमाल हॉकी में 44 साल बाद धमाल

एजेंसी ■ काकामिगाहारा

महिला हॉकी टीम की शानदार जुझारू क्षमता ने भारत को 44 साल के लंबे इंतजार के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया। इस ऐतिहासिक सोने के साथ टीम ने ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। मुक्केबाजों, तीरंदाजों और पहलवान सुजीत कलकल ने भी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



शुक्रवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन से एक दिन पहले भारत ने एक ही दिन में छह स्वर्ण पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बना ली।

भारत अब 76 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके खाते में 16 स्वर्ण, 25 रजत और 35 कांस्य पदक हैं। कुल पदकों की संख्या में भारत ने चौथे स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है, जिसके नाम 65 पदक हैं। हालांकि, स्वर्ण पदकों की संख्या में भारत अभी उज्बेकिस्तान से चार पीछे है।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 44 साल का सूखा खत्म कर दिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल साल 1982 में जीता था। वहीं, 1998 में टीम ने सिल्वर और 2018 में भी फाइनल तक का सफर तय किया था। टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। गोल्ड जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक 2028 के लिए भी डायरेक्ट क्वालीफाई कर लिया है। फाइनल मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही चीन पर दबाव बनाने का प्रयास किया।

पीएम मोदी बोले-भारतीय हॉकी के लिए बहुत खास पल

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है। पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।'

भारत और नीदरलैंड्स कृषि साझेदारी का करेंगे विस्तार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि भारत और नीदरलैंड्स ने कृषि क्षेत्र में अपनी साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देश कृषि नवाचार, बागवानी और बीज क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ाएंगे, जिससे तकनीक-आधारित खेती और कृषि उत्पादकता को नई गति मिलेगी।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, नीदरलैंड्स के कृषि मंत्री सिल्वियो एरकेंस के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग की समीक्षा की गई और भविष्य की साझेदारी के नए अवसरों पर चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य तकनीक, नवाचार और ज्ञान साझाकरण के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बेहतर बनाना था।

चर्चा के दौरान भारत-नीदरलैंड्स साझेदारी के तहत कृषि और बागवानी क्षेत्रों में स्थापित 25 उत्कृष्टता केंद्रों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इन केंद्रों ने कई भारतीय राज्यों में आधुनिक कृषि तकनीकों, संरक्षित खेती और उन्नत बागवानी पद्धतियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

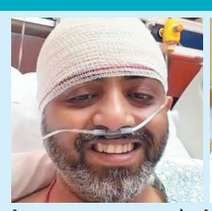
शिवराज सिंह चौहान और सिल्वियो एरकेंस ने बीज क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस दिशा में एक समर्पित कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति व्यक्त की। प्रस्तावित ढांचा प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करेगा और संयुक्त पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

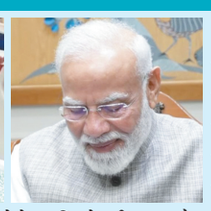
बैठक में कृषि नवाचार को भी प्रमुख प्राथमिकता के रूप में रेखांकित किया गया। दोनों देशों ने कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों को अपनाने और नवाचार आधारित खेती के क्षेत्र में हुई प्रगति पर विचार साझा किए। भारत और नीदरलैंड्स दोनों कृषि प्रौद्योगिकी और आधुनिक खेती के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ और तकनीक-आधारित कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। इससे किसानों की उत्पादकता बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने और कृषि क्षेत्र को भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।

एफआईपी ने की पीएमओ से मच्छार के लिए वीरता पुरस्कार की मांग की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के भारतीय पायलट कैप्टन स्मिथ मच्छार को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार देने पर विचार करने का अनुरोध किया है। संस्था ने कहा है कि 30 सितंबर को हवा में पैदा हुई गंभीर आपात स्थिति के दौरान मच्छर ने असाधारण साहस और पेशेवर जिम्मेदारी का परिचय दिया।





प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को भेजे गए प्रतिनिधित्व में एफआईपी के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा ने कहा कि दुबई-तेल अवीव उड़ान के दौरान फर्स्ट ऑफिसर पायलट के साथ हुई कथित झड़प में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने पायलट-इन-कमांड के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ा गया, जहां उसकी आपात लैंडिंग कराई गई। एफआईपी ने घटना को कॉकपिट में पैदा हुई 'बेहद खतरनाक स्थिति' बताते हुए कहा कि सक्षम अधिकारियों द्वारा तथ्यों के सत्यापन के बाद कैप्टन मच्छर के साहस को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने पर विचार किया जाना चाहिए।

राष्ट्र और धर्म अलग नहीं, जब राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म पर खतरा आता है : मोहन भागवत



एजेंसी ■ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने समर्पण, राष्ट्र और धर्म को लेकर अपनी बात रखी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'इन दो चीजों (राष्ट्र और धर्म) को व्यवहार में अपनाने की कोशिश करो। अगर आप इन्हें अपने कर्मों से दिखा सकते हो, तो वही काफी है। यह उपदेश देने की बात नहीं है लेकिन एक बार आप देखेंगे कि संघ में भी लाखों लोग बिना कुछ मांगे अपना समय और पैसा देश की सेवा में लगाते हैं।'

उन्होंने समर्पण के महत्व को समझाते हुए कहा, 'अगर समर्पण किसी नेक और दिव्य लक्ष्य के लिए हो, किसी सुंदर कारण के लिए हो, या किसी पवित्र उद्देश्य के लिए हो, तो वह व्यक्ति के जीवन को स्वर्ग बना सकता है। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे ही एक उद्देश्य के लिए खुद को समर्पित करने के लिए बुलाया गया है। नहीं तो जीवन में ऐसा सार्थक काम खोजने के लिए कई जन्मों तक तपस्या करनी पड़ती है। शायद आपने अपने पिछले जन्मों में से किसी एक में ऐसा किया भी होगा।'

मोहन भागवत ने राष्ट्र और धर्म के संबंध पर बोलते हुए कहा, 'हमारी परंपरा में राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है, और धर्म राष्ट्र की सेवा के लिए है। दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है, अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं हो सकता। जब राष्ट्र कमजोर होता है, तो धर्म पर खतरा आता है। जब धर्म का अभ्यास कमजोर होता है, तो राष्ट्र का पतन होता है। इसलिए दोनों को सही तरीके से एक साथ आगे ले जाना हमारी जिम्मेदारी है। जब पढ़ाई के प्रति समर्पित युवा छात्र इस ज्ञान परंपरा की रक्षा के लिए समय निकालते हैं, तो यह राष्ट्रीय कार्य भी है और धर्म का कार्य भी है।' उन्होंने कहा, 'हर खुशी अधूरी रहती है। हर आकांक्षा के साथ कोई न कोई नुकसान जुड़ा होता है। हर निष्ठा किसी न किसी दूसरी निष्ठा से टकराती है। अतिवाद है, संतुलन नहीं है, कोई मध्यम मार्ग नहीं है और इसीलिए दुनिया परेशान है। और दुनिया जानती है कि आगे का रास्ता भारत से ही आएगा। एक समय में लगभग 3,000 साल तक भारत ने बिना किसी देश को जीते, बिना किसी का धर्म परिवर्तन कराए, और बिना किसी मुद्दे पर किसी पर हमला किए, दुनिया को सुख और शांति का रास्ता दिखाया था। इसीलिए दुनिया को हमसे उम्मीदें हैं।'

कांग्रेस ने यूपी में आराधना मिश्रा 'मोना' को बनाया प्रदेश अध्यक्ष, परगट सिंह को पंजाब की कमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और पंजाब में संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। पार्टी ने आराधना मिश्रा 'मोना' को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को प्रदेश कांग्रेस का वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया गया है।

कांग्रेस की ओर से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में दो वरिष्ठ उपाध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई है। इनमें देविंदर निषाद और आलोक प्रसाद शामिल हैं। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

पार्टी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के योगदान की सराहना की है।





इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल के नेता के पद पर चौधरी वीरेंद्र सिंह की नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति भी तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगी।

कांग्रेस ने पंजाब में भी प्रदेश संगठन की कमान बदली है। पार्टी अध्यक्ष ने परगट सिंह को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कांग्रेस ने पंजाब कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के योगदान की भी सराहना की है।

पार्टी ने स्पष्ट किया है कि पंजाब में विभिन्न चुनाव संबंधी समितियों के वर्किंग प्रेसिडेंट, चेयरपर्सन और को-चेयरपर्सन पहले की तरह अपने पदों पर बने रहेंगे।

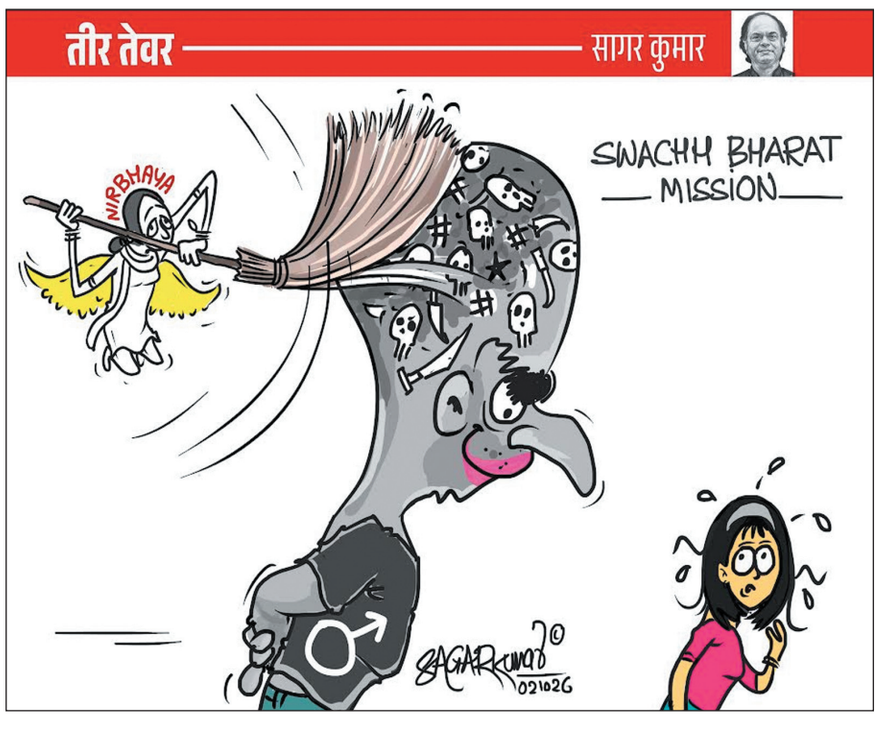
कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से दोनों नियुक्तियों से संबंधित प्रेस रिलीज जारी की गई।

इन नियुक्तियों के साथ कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और पंजाब में अपने प्रदेश संगठन में नेतृत्व स्तर पर बदलाव किया है। उत्तर प्रदेश में आराधना मिश्रा 'मोना' को प्रदेश अध्यक्ष और इमरान मसूद को वर्किंग प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पंजाब में परगट सिंह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होंगे।

सेवा सेतु अभियान का बीरगांव महापौर समेत पार्षदों ने किया बहिष्कार

रायपुर। बिरगांव नगर पालिक निगम समेत पार्षदों की प्रदेश सरकार की रणनीति को लेकर नाराजगी खुलकर सामने आ गई है। निगम महापौर ने सेवा सेतु अभियान के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। नाराज पार्षदों एवं महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में सुशासन त्यौहार कार्यक्रम चलाया गया, इसके तहत पूरे बिरगांव नगर पालिक निगम के अंदर काफी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। इसमें पट्टा वितरण, बिजली बिल में कमी, स्मार्ट मीटर हटाने, गरीबी रेखा सर्वे सूची 2011 12 लागू करने एवं राशन कार्ड बनाने के नियमों को लेकर आवेदन थे। साथ में विशेष आवेदन नशा मुक्त बिरगांव का रहा है, जिसमें आज तक निराकरण नहीं हो पाया है। इस व्यवस्था से और राज्य सरकार से नाराज महापौर बिरगांव नंदलाल देवांगन एवं पार्षदों ने नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य सरकार के कार्यक्रम सेवा सेतु अभियान के बहिष्कार करने का फैसला किया है।

तीर तेवर — सागर कुमार



मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, आप का प्रदर्शन

आयोग के भीतर मतभेद होने का दावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे पुलिस से डरने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हिरासत में लेने के बाद उन्हें दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाने ले जाया गया।

आयोग के भीतर मतभेद होने का दावा करने वाली एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों ने जोर पकड़ लिया है। हिरासत में लिए गए नेताओं में शामिल दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने आईएएनएस से कहा, 'भारत के लोगों को वोट देने का अधिकार तब मिला, जब लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान किया। बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें वोट देने का अधिकार दिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ज्ञानेश कुमार के जरिए लोगों से वोट देने का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही



है। आतिशी ने कहा, 'वोट चोरी को लेकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं हो रही है, लेकिन उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों को जबरन उठाकर पुलिस थानों में ले जाया जा रहा है। लेकिन हम पुलिस से डरने वाले नहीं हैं। लोकतंत्र की लड़ाई जारी रहेगी।'

हिरासत में लिए गए आप प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ मांग कर रहे हैं कि लोकतंत्र को खत्म नहीं किया जाना चाहिए। हम कह रहे थे कि लोगों को वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए। ज्ञानेश कुमार ने वोट देने का अधिकार छीना और वोट चोरी की, फिर भी उन्हें जेल में नहीं डाला जा रहा है। इसके बजाय हमें पुलिस थाने में बैठाया गया है। यह केंद्र सरकार की पूरी तरह तानाशाही है।' इस बीच, 'आप' की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह समेत पार्टी के कई अन्य नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में विरोध मार्च में हिस्सा लिया। भारद्वाज ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि देशभर में अलग-अलग उम्र के लोग मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन, युवा संगठन, छात्र संघ और कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए ज्ञानेश कुमार को हटाना होगा, चुनाव आयोग में सुधार करने होंगे और एसआईआर में हुई अनियमितताओं को वापस लेना होगा। यही इसका समाधान है और सरकार को इसे स्वीकार करना होगा।'

'आप' विधायक जरनैल सिंह ने आरोप लगाया, ''दो अन्य चुनाव आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त की पोल खोल दी है। जब तक हम यह बात कह रहे थे, तब तक इसे आरोप कहा जा सकता था, लेकिन अब उनका अपराध साबित हो गया है।

जहां कभी लगती थीं नक्सलियों की जन अदालतें, वहां अब ग्राम सभा

ग्रामीण तय कर रहे अपने गांव का भविष्य

विश्व केसरी■



रायपुर। गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के बीच नारायणपुर जिले से लोकतंत्र की एक सुखद तस्वीर सामने आई। कभी नक्सल प्रभाव से जूझने वाले ओरछा विकासखंड की ग्राम पंचायत कच्चापाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण एक पेड़ की छांव तले ग्राम सभा के लिए जुटे और अपने गांव के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कच्चापाल की यह ग्राम सभा इसलिए भी विशेष रही कि बस्तर के जिन इलाकों में कभी नक्सलियों की तथाकथित 'जन अदालतों' का भय रहता था, उन्हीं क्षेत्रों में अब ग्रामीण संवैधानिक ग्राम सभा के मंच पर बैठकर अपनी बात रख रहे हैं और अपने गांव की विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा कर रहे हैं। बदलते बस्तर की यह तस्वीर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ग्रामीणों की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित करती है।

पेड़ की छांव बनी लोकतांत्रिक संवाद का मंच

कच्चापाल में ग्राम सभा के लिए किसी बड़े सभागार की जरूरत नहीं पड़ी। गांव के लोग पेड़ के नीचे एकत्र हुए और सामूहिक रूप से गांव की आवश्यकताओं तथा विकास कार्यों पर चर्चा की। ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी ने ग्राम सभा को जीवंत बनाया। महिलाओं और ग्रामीणों ने भी चर्चा में हिस्सा लेकर स्थानीय जरूरतों से जुड़े विषय सामने रखे।

प्रदेश की अन्य ग्राम पंचायतों में भी विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को अपने गांव की विकास प्राथमिकताएं तय करने की प्रक्रिया से जोड़ा गया। विकसित भारत-जी राम जी योजनांतर्गत विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) तैयार करने के लिए स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और जरूरी विकास कार्यों पर ग्रामीणों से सुझाव लिए गए।

गांव की जरूरत के अनुसार बनेगा विकास का रोडमैप

विशेष ग्राम सभाओं में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अधोसंरचना जैसे विषयों पर स्थानीय जरूरत के अनुरूप कार्यों की पहचान पर जोर दिया गया। रिफॉर्म उत्सव के तहत ग्रामीणों को 125 दिवस रोजगार की वैधानिक गारंटी, समय पर रोजगार एवं मजदूरी भुगतान तथा योजना के अंतर्गत अनुमेय 375 प्रकार के कार्यों से संबंधित जानकारी भी दी गई। ग्राम सभाओं से मिले सुझाव विकसित ग्राम पंचायत प्लान का आधार बनेंगे। आगामी चरणों में गांवों के संसाधनों और आवश्यकताओं का आकलन कर विकास योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

नवीन विधान सभा भवन में ''महात्मा गांधी'' एवं 'शास्त्री को श्रद्धा सुमन



विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ नवीन विधान सभा भवन, अटल नगर, नवा रायपुर में राष्ट्रपिता 'महात्मा गांधी'' एवं पूर्व प्रधानमंत्री 'लाल बहादुर शास्त्री'' जी के जयंती पर आज विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा ने सेन्ट्रल हॉल में स्थापित महात्मा गांधी जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।उन्होंने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी राष्ट्रपिता 'महात्मा गांधी'' एवं पूर्व प्रधानमंत्री 'लाल बहादुर शास्त्री'' को पुष्पांजलि अर्पित कर उनको स्मरण किया।

इस अवसर पर सचिवालय के अनुराग सिंह, कुंदन चौहान, लक्ष्मीकांत सेन, राजेश चौहान, रामकुमार यादव एवं साथियों द्वारा महात्मा गांधी के प्रसिद्ध भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए'' एवं 'रघुपति राघव राजा राम'' का गायन किया गया।

गुढ़ियारी के भारती विद्यालय में नशा-मुक्त भारत अभियान



विश्व केसरी■

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान, सेवा मेरा योगदान के तहत, नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान किया गया गुढ़ियारी स्थित मां भारती विद्यालय (मच्छी तलाब) पर किया गया जिसके (संयोजक) प्रिया सिंह प्रदेश कार्यकारणी सदस्य एनजीओ प्रकोष्ठ भाजपा छत्तीसगढ़ रही इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दक्षिण कौशल के पीठाधीश्वर महंत राजीव लोचन दास रहे तथा भाजपा नेता वरिष्ठ समाजसेवी बसंतअग्रवाल उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में गणेश उत्सव समिति का सम्मान समारोह भी था प्रिया सिंह ने नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान के समितियों के युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा मुक्त रहने के लिए अपने आस पास और पड़ोसी की बाते बताई नशे से कैसे लोगों को दूर रखा जाए इस पर संत राजीव लोचन महाराज एवं वरिष्ठ समाज सेवक बसंत अग्रवाल ने भी नशे पर बहुत महत्वपूर्ण बाते समझाई युवाओं को।

जिससे कि युवाओं में सकारात्मक सोच हुई अपनी जीवन को लेकर प्रिया सिंह का मानना है कि नशा से किसी का भला नहीं होता नशा वो दीमक है जो जीवन को खत्म करता है इन्हीं बातों के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया। और वहां बैठे सभी गणेश उत्सव समिति के लोगो ने समर्थन किया।

महात्मा गांधी जयंती पर स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम



विश्व केसरी■

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, रायपुर में दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) द्वारा स्वच्छता, श्रमदान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. आर. पी. कुजूर, शैक्षणिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर गांधी के विचारों एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संदेश दिया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, छात्रा इकाई, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. पायल जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, विभिन्न गतिविधियों एवं स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने तथा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

महंत कॉलेज में फ्रेशर पार्टी आज

छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग के कलाकार की उपस्थिति में होगा आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। गांधी चौक स्थित महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं की स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन दिनांक 3 अक्टूबर 2026 को प्रात: 12:00 बजे से किया गया है इस आयोजन में छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग के विख्यात कलाकार शामिल होंगे और प्रस्तुति देंगे वहीं आयोजन में छात्र-छात्राओं के लिए डांसिंग फ्लोर की व्यवस्था की गई है ताकि उत्साह को एक नया मंच दिया जा सके आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने कहा है कि छात्र और छात्राओं के लिए व्यवस्थाएं और सुरक्षा का प्रावधान रखा गया है सभी छात्र-छात्राएं परिचय पत्र के साथ शामिल हो सकेंगे छात्र-छात्राओं से यह भी अपील की गई है। की आयोजन में महाविद्यालय के गरिमा पूर्ण परिधान को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में शामिल होंगे।

गांधी और शास्त्री सर्वधर्म प्रार्थना सभा में याद किए गए



विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता राज्यसभा सांसद एवं संस्था की प्रदेश उपाध्यक्षद्म लक्ष्मी वर्मा ने की।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री यादव ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की पत्रिका 'प्रयास' तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स और यूनिसेफ द्वारा तैयार 'तारुण्य वार्ता' (मासिक धर्म पर खुलकर चर्चा) पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने संस्था की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के स्काउट्स एवं गाइड्स को सम्मानित भी किया गया।

हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और सम्मान रखें

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार तथा लाल बहादुर शास्त्री की सादगी और कर्तव्यनिष्ठा आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। सर्वधर्म प्रार्थना सभा हमें सभी आस्थाओं का सम्मान करने और समाज में प्रेम व भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स से जुड़े बच्चे और युवा सेवा, अनुशासन तथा सहयोग की भावना को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं। हमारे देश की संस्कृति 'सर्वधर्म समभाव' और सभी के मंगल की कामना पर आधारित है। सर्वधर्म प्रार्थना हमें यही संदेश देती है कि सभी सुखी हों, सभी का कल्याण हो और हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और सम्मान रखें।

स्काउट-गाइड हमें अनुशासन का संदेश देता है

यादव ने कहा कि स्काउट-गाइड का उद्देश्य केवल नियमों और प्रतिज्ञाओं को पढ़ना नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारना है। हम स्वयं अनुशासित रहेंगे, तभी दूसरों को अनुशासन का संदेश दे पाएंगे। स्काउट-गाइड हमें प्रकृति से प्रेम करना और पशु-पक्षियों का मित्र बनना भी सिखाता है। इसलिए प्रत्येक स्काउट और गाइड अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए।

राज्यसभा सांसद

लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की विविधता ही उसकी शक्ति है। अलग-अलग आस्थाओं और परंपराओं के प्रति आदर ही सामाजिक सद्भाव और एकता का आधार है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से गांधीजी एवं शास्त्रीजी के आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं विचारों का स्मरण करते हुए शांति, प्रेम, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा ने सर्वधर्म समभाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ के लेखक ग्वालानी दंपति पहुंचे यूऐई के राष्ट्रपति भवन

विश्व केसरी■



रायपुर। (विश्व केसरी)लेखक शिव ग्वालानी अपनी पत्नी कविता ग्वालानी (पूर्व पार्षद , सदस्य अपील समिति नगर निगम रायपुर छग) के साथ दुबई, आबूधाबी शारजाह और अजमन यूऐई के चार राज्यों के भ्रमण के लिए 22 से 30 सितम्बर तक यूऐई के दौरे पर थे। 22 तारीख की रात को [illegible] चेयरमैन चन्द्र शेखर भाटिया के साथ ग्वालानी दंपति को दुबई में एक समारोह में शिरकत करनी थी लेकिन अचानक सोमवार 21 सितंबर 2026 के दिन दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद के छोटे भाई शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन हो गया जिसके कारण यह समारोह रद्द हो गया।

25 सितंबर शुक्रवार के दिन शाम सात बजे लेखक ग्वालानी दंपति यूऐई के दूसरे राज्य अजमन में शारजाह से होते हुये पहुंचे। जहाँ पर ग्वालानी दंपति की डाक्टर बू अब्दुल्ला के साथ आत्मीय मुलाकात हुयी। यहाँ पर ग्वालानी दंपति ने डाक्टर बू अब्दुल्ला को उनकी लिखी हुयी अंग्रेजी भाषा की सच्चे घटनाक्रम पर आधारित किताब '' दास्ताने कश्मीर 'जो दोस्ती, मुहब्बत, अमन चैन और असल कशमीरी संस्कृति का संदेश देती है और हिंदी भाषा में लिखी हुयी उनकी किताब मास्टर आफ नथिंग भेंट की।

बातचीत बहुत ही मुहब्बत भरे वातावरण में हुयी जिसमें

दुनियाँ को दोस्ती मुहब्बत अमन चैन का संदेश देने के लिए डाक्टर बू अब्दुल्ला ने ग्वालानी दंपति की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें खुशामदीद कहा।

लेखक शिव ग्वालानी ने उनकी किताब दास्ताने कश्मीर के अन्य भाषाओं में रिलीज़ होने वाले समारोह के लिए, डाक्टर बू अब्दुल्ला को ईंडिया आने के लिए, समारोह में शिरकत करने के लिए आमंत्रित किया जिस पर डाक्टर बू अब्दुल्ला ने सहमति प्रदान की और अरबी भाषा में उनकी किताब पर एक संदेश भी लिख कर दिया।

मृतिका के नाखूनों में मिले साक्ष्य से खुला हत्या का राज

दो वर्ष पूर्व हुई थी महिला की हत्या में पुलिस को मिली सफलता

विश्व केसरी■



रायपुर। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा रायपुर कमिश्नरेट में अज्ञात हत्या सहित गंभीर अपराधों के मामलों के शीघ्र निराकरण तथा ऐसे प्रकरणों पर लगातार ध्यान देते हुए उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन एवं लगातार समीक्षा में प्रकरण की जांच को आगे बढ़ाया गया। श्री कांबले द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों, संदिग्धों की पहचान एवं विवेचना की प्रत्येक महत्वपूर्ण कड़ी पर लगातार दिशा-निर्देश दिए गए तथा प्रकरण के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की लगातार समीक्षा की गई।

इसी क्रम में DCP Crime स्मृति राजनालाएवं DCP North Zone दीपमाला कश्यप द्वारा भी प्रकरण की लगातार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ACP उरला पूर्णिमा लामा के पर्यवेक्षण में थाना खमतराई की टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी जानकारी, संदिग्ध व्यक्तियों एवं पूछताछ से प्राप्त तथ्यों को आपस में जोड़ते हुए लगातार विवेचना को आगे बढ़ाया गया।

लगभग दो वर्ष पुराने इस अज्ञात हत्या के प्रकरण को पुलिस टीम द्वारा एक चुनौती के रूप में लेते हुए उपलब्ध प्रत्येक साक्ष्य की बारीकी से समीक्षा की गई। घटना के समय प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्य से लेकर संदिग्धों की पहचान, DNA profiling, तकनीकी जानकारी एवं पूछताछ के प्रत्येक पहलू पर लगातार कार्य किया गया। समय बीत जाने के बावजूद प्रकरण की कड़ी को छोड़े बिना लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में सफल हुई।

इसी क्रम में थाना खमतराई के अपराध क्रमांक 14/2026, धारा 103(1) बीएनएस के प्रकरण में 21 अगस्त 2024 को हुई महिला लता साहू की हत्या के मामले का महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

. मनहरण सारंग, पिता ईंतवारी सारंग, उम्र 33 वर्ष, निवासी प्रेमनगर, पंचू किराना स्टोर के पास, रावांभाठा, छत्तीसगढ़।

राजेश पाल उर्फ चोटी उर्फ राजू, पिता गोविन्द्र पाल, उम्र 31 वर्ष, निवासी हीरालाल वार्ड, नवागांव, जिला मुंगेली, छत्तीसगढ़ राजू मंडल उर्फ बंगाली, पिता विजय मंडल, उम्र 35 वर्ष, हाल निवासी रावणभाठा, थाना खमतराई,स्थाई निवासी कैम्प-01, अर्जुन नगर, दशहरा मैदान के पास, थाना वैशाली नगर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़।

मृतिका: लता साहू, पति स्व. हेमचंद साहू उम्र 40 वर्ष, निवासी ट्रांसपोर्ट नगर, 6 नंबर पार्किंग के पास, थाना खमतराई, रायपुर।

21 अगस्त 2024 को लता साहू की हत्या की घटना हुई थी। घटना की विवेचना के दौरान मृतिका के हाथों के नाखूनों में अज्ञात व्यक्ति के Biological Traces पाए गए थे। पुलिस द्वारा उक्त वैज्ञानिक साक्ष्य को महत्वपूर्ण मानते हुए विधिवत सुरक्षित कराया गया तथा उसका DNA profiling कराया गया।

घटना के समय आरोपी अज्ञात थे, लेकिन उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य को सुरक्षित रखा गया, जिससे भविष्य में संदिग्ध व्यक्तियों के सामने आने पर उसका वैज्ञानिक मिलान कराया जा सके।

सीएम साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात



विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्थित नितिन नबीन के निवास पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। सीएम साय ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए साझा की है।

मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन और प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

भारत और साइप्रस ने रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया

विश्व केसरी■

निकोसिया। भारत और साइप्रस उच्च-स्तरीय राजनयिक जुड़ाव के माध्यम से अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को बताया कि साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने देश के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से मुलाकात की।

निकोसिया स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उच्चायुक्त मनीष ने 1 अक्टूबर 2026 को निकोसिया में राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस के स्वागत समारोह में भाग लिया, जो साइप्रस गणराज्य की स्वतंत्रता की 66वीं वर्षगांठ का प्रतीक था।'

इसमें कहा गया है कि उच्चायुक्त ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस का अभिवादन किया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, भारतीय उच्चायुक्त ने औपचारिक सैन्य परेड में भी भाग लिया।



उच्चायोग ने कहा, 'उच्चायुक्त ने प्रथम महिला फिलिप्पा करसेरा क्रिस्टोडौलाइड्स, विदेश मंत्री डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस और मारिया हादजीसोलोमौ कोम्बोस का भी अभिवादन किया। इस अवसर ने भारत-साइप्रस मित्रता की गर्मजोशी को दर्शाया क्योंकि हमारे देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।'

गुरुवार को, उच्चायुक्त ने रक्षा अताशे ग्रुप कैप्टन परमिंदर सी. अंतील से भी मुलाकात की।

उच्चायोग ने एक्स पर कहा, 'उनकी चर्चा भारत-साइप्रस रक्षा सहयोग रोडमैप 2026-2031 और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रही। उच्चायुक्त ने निरंतर जुड़ाव और व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया। दोनों ने आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और समुद्री सहयोग के अवसरों पर चर्चा की, जो दोनों देशों के नेताओं द्वारा आगे के विकास के लिए चिन्हित किए गए क्षेत्र हैं।'

उच्चायुक्त ने सोमवार को साइप्रस की परिवहन, संचार और कार्य मंत्री एवी त्सोलाकी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सहयोग के विभिन्न रास्तों पर चर्चा की।

उच्चायोग ने एक्स पर कहा, 'उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस गणराज्य की परिवहन, संचार और कार्य मंत्री एवी त्सोलाकी से मुलाकात की और कनेक्टिविटी, परिवहन और समुद्री क्षेत्र में भारत-साइप्रस सहयोग को और मजबूत करने के रास्तों पर चर्चा की।'

इसमें आगे कहा गया, 'बातचीत इन क्षेत्रों में गहरे संबंधों और व्यावहारिक सहयोग पर केंद्रित रही, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति में योगदान दे रही है।'

बुर्ज खलीफा पर दिखा चीन के राष्ट्रीय दिवस का रंगीन नजारा



विश्व केसरी■

बीजिंग। चीन लोक गणराज्य की स्थापना की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा लाल रंग से जगमगा उठी। 828 मीटर ऊंचे इस टावर पर चीन का राष्ट्रीय झंडा और शानदार रोशनी के अलग-अलग दृश्य बारी-बारी से प्रदर्शित किए गए।

इस मौके पर चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) की ओर से तैयार राष्ट्रीय दिवस प्रकाश शो का आयोजन किया गया। यह पहली बार है जब चीन के राष्ट्रीय दिवस के जश्न के लिए दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा पर सीएमजी का वीडियो लाइट शो प्रदर्शित किया गया।

इस खास लाइट शो में चीन के स्वर्ग मंदिर, महान दीवार और आधुनिक इमारतों की तस्वीरें दिखाई गईं। इन दृश्यों के जरिए चीन की समृद्ध और गहरी जड़ें रखने वाली पारंपरिक संस्कृति के साथ-साथ नए युग में देश के विकास और जीवंतता को भी दर्शाया गया।

वहीं, इस लाइट शो को और खास बनाने के लिए सीएमजी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार कंटेंट यानी एआईजीसी तकनीक का इस्तेमाल किया। इसके जरिए रोशनी और परछाइयों के माध्यम से चीन की संस्कृति और विकास की एक जीवंत कहानी पेश की गई।

घूमने के लिए भारतीयों की पहली पसंद बना नेपाल



विश्व केसरी■

काठमांडू। भारतीय सितंबर में नेपाल आने वाले विदेशी पर्यटकों का सबसे बड़ा समूह बन गए हैं, जिनकी संख्या 17,425 रही। नेपाल में भारतीय पर्यटकों की यह तादाद पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) के अनुसार, शुक्रवार को नेपाल ने सितंबर में 88,248 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों का स्वागत किया। पर्यटकों की संख्या अगस्त से भी बढ़ी, जब हिमालयी देश ने 85,444 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों का स्वागत किया, जबकि भोटेकोशी बाढ़ और भूस्खलनों ने मुख्य रूप से मध्य नेपाल को प्रभावित किया।

एनटीबी के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल ने 2026 के पहले नौ महीनों में कुल 865,920 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों का स्वागत किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जब 815,273 पर्यटक हवाई मार्ग से आए थे।

गुवाहाटी के पार्कों में जल्द दौड़ेगी बीआईएस प्रमाणित बांस की साइकिल

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने औद्योगिक और आर्थिक संसाधन के रूप में बांस की बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य जल्द ही गुवाहाटी के विभिन्न पार्कों में नई विकसित बांस की साइकिल लोगों के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराएगा। इसका उद्देश्य व्यावसायिक लॉन्च से पहले लोगों से उत्पाद के बारे में फीडबैक लेना है।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में इस साइकिल की सवारी की है। इसकी संरचना पूरी तरह बांस से तैयार की गई है और इसे भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'जानना चाहते हैं कि मैं क्या चला रहा हूं? यह बांस की साइकिल है, जिसकी संरचना पूरी तरह बांस से बनी है और



इसे बीआईएस से प्रमाणित किया गया है।'

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गुवाहाटी के विभिन्न पार्कों में ये बांस की साइकिलें रखी जाएंगी। लोग इनकी सवारी कर सकेंगे और व्यावसायिक स्तर पर लॉन्च से पहले उत्पाद के बारे में अपना फीडबैक दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल असम में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बांस की क्षमता को प्रदर्शित करने और विभिन्न उद्योगों में इसके अधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

सरमा ने कहा, 'असम में पाए जाने वाले बांस से 800 से अधिक तरह के उप-उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इसका इस्तेमाल मेथनॉल से लेकर एटीएफ, मजबूत संरचनाओं और कई अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किया जा सकता है।'

उन्होंने बांस को घास की श्रेणी में रखने के केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा बांस के वर्गीकरण में किए गए इस बदलाव से इसकी खेती, प्रसंस्करण और औद्योगिक उपयोग के लिए नए अवसर खुले हैं। बांस के प्रचुर संसाधनों वाले असम में सरकार बांस आधारित उद्योगों और उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। इसका उद्देश्य स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ाने के साथ रोजगार और आजीविका के नए अवसर पैदा करना है।

बांस की साइकिल को इस बात के उदाहरण के तौर पर पेश किया जा रहा है कि किस तरह पारंपरिक और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों को आधुनिक उपभोक्ता उत्पादों में बदला जा सकता है।

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कर्म की सिद्धि के लिए जरूरी हैं ये 5 कारक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन को समझने और सही दिशा में आगे बढ़ने की सीख देने वाला ऐसा ज्ञान है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म, कर्तव्य और उसके परिणामों को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें बताई हैं। इन्हीं में से एक है कर्म की सिद्धि के लिए बताए गए पांच कारक। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसके बारे में जानकारी दी है।

अक्सर हम किसी काम में सफलता मिलने पर पूरा श्रेय खुद को देते हैं और असफलता मिलने पर



किस्मत को दोष देने लगते हैं। लेकिन गीता के अनुसार किसी भी कर्म के पूरा होने के पीछे केवल एक व्यक्ति की मेहनत नहीं, बल्कि पांच तत्वों की भूमिका होती है। श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 18 के श्लोक 14 में इन पांच कारकों का उल्लेख मिलता है।

यह श्लोक है, अधिष्ठानं तथा कर्ता करणं च पृथग्विधम्। विविधाश्च पृथक्चेष्टा दैवं चैवात्र पञ्चमम्।।

कर्म की सिद्धि का पहला कारक अधिष्ठान है, जिसका अर्थ है शरीर। जिस शरीर के माध्यम से हम कोई काम करते हैं, वही कर्म का आधार बनता है।दूसरा कारक है कर्ता, यानी वह व्यक्ति या जीवात्मा जो किसी काम को करने का संकल्प लेता है। किसी भी कार्य को शुरू करने के पीछे व्यक्ति की इच्छा, सोच और निर्णय महत्वपूर्ण होते हैं।

तीसरा कारक है करण यानी इंद्रियां और साधन। इसका अर्थ है वे साधन या उपकरण, जिनकी मदद से कोई काम पूरा किया जाता है। इसमें हमारी आंखें, कान, हाथ-पैर जैसी इंद्रियां शामिल हैं। चौथा कारक है चेष्टा, यानी किसी काम को पूरा करने के लिए किए जाने वाले अलग-अलग प्रयास। केवल इच्छा रखने से सफलता नहीं मिलती, उसके लिए लगातार मेहनत और सही दिशा में कोशिश करना जरूरी है।

कांगो में इबोला से मरने वालों की संख्या 4 हजार के पार

विश्व केसरी■

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में जारी इबोला प्रकोप से मरने वालों की संख्या 4 हजार के पार पहुंच गई है। कांगो के स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से शुक्रवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, सात प्रांतों में इबोला के 8,300 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें 4,018 लोगों की मौत हो चुकी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि अब तक 2,162 मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं, इबोला से मृत्यु दर 48.4 प्रतिशत है।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सहायता संगठन मेडेसिन्स सान्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) ने गुरुवार को चेतावनी दी कि इस प्रकोप से वास्तव में प्रभावित होने और जान गंवाने वाले लोगों की संख्या



आधिकारिक आंकड़ों से ज्यादा हो सकती है।

संगठन ने कहा कि निगरानी और मामलों की पहचान में कमियों के कारण वास्तविक आंकड़ा अधिक होने की आशंका है।

यह डीआरसी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा और सबसे घातक इबोला प्रकोप बन गया है। वहीं, दुनियाभर में यह वर्ष 2014 से 2016 के बीच पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला प्रकोप के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्रकोप है।

इस बीच, अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने गुरुवार को चेतावनी दी कि डीआरसी में हाल में इबोला के दर्ज मामलों में आई कमी को संक्रमण में लगातार गिरावट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

अफ्रीका सीडीसी ने कहा कि मामलों में कमी बीमारी की निगरानी व्यवस्था में आई रुकावटों के कारण भी हो सकती है।

ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में अफ्रीका सीडीसी के अधिकारी वेसम मनकौला ने बताया कि मई के मध्य में इबोला का प्रकोप केवल तीन स्वास्थ्य क्षेत्रों तक सीमित था, लेकिन अब यह सात प्रांतों के 63 स्वास्थ्य क्षेत्रों तक फैल चुका है। इनमें से 45 स्वास्थ्य क्षेत्रों में अब भी संक्रमण फैल रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले चार से पांच सप्ताह में महामारी के मामलों का ग्राफ काफी हद तक स्थिर रहा है।

ताजा सप्ताह में दर्ज मामलों में कमी भी आई है, लेकिन एजेंसी ने इसे बीमारी पर लगातार नियंत्रण मिलने का संकेत मानने से सावधान किया है। मनकौला ने कहा, ''मामलों के ग्राफ में गिरावट का यह मतलब नहीं है कि प्रकोप पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है।

हावड़ा स्टेशन पर एनएसजी-आरपीएफ की संयुक्त मॉक ड्रिल, वंदे भारत में आपदा से निपटने की तैयारी परखी गई

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्टेशन की सुरक्षा को लेकर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त रूप से काम करते हुए एक मॉक ड्रिल किया, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस में किसी आपदा से निपटने की तैयारी परखी गई।

दरअसल, सुरक्षा की दृष्टि से हावड़ा स्टेशन बेहद महत्वपूर्ण है। रोजाना करीब 10 लाख यात्री हावड़ा स्टेशन से आवागमन करते हैं। यात्रियों की सुरक्षा और किसी भी आकस्मिक बड़ी आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए 28 सितंबर की रात हावड़ा स्टेशन पर एनएसजी कमांडो और



आरपीएफ की ओर से संयुक्त मॉक ड्रिल की गई।

एनएसजी और आरपीएफ की ओर से की गई इस मॉक ड्रिल के बारे में जानकारी देते हुए हावड़ा डिवीजन के डीआरएम विशाल कपूर ने शुक्रवार को बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी अचानक होने वाली बड़ी घटना या आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य किस तरह तेजी से किया जा सकता है, इसकी तैयारियों की जांच करना था।

मॉक ड्रिल के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को चुना गया, क्योंकि यह अन्य ट्रेनों की तुलना में अलग तरह की संरचना वाली ट्रेन है। अभ्यास के दौरान यह देखा गया कि किसी आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित निकालने और राहत-बचाव अभियान को किस प्रकार संचालित किया जा सकता है।

इस संयुक्त अभ्यास में एनएसजी और आरपीएफ के जवानों ने हिस्सा लिया। इससे पहले एनडीआरएफ की ओर से भी ट्रेन दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने को लेकर मॉक ड्रिल की गई थी। अभ्यास के दौरान आपदा की स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित बचाने और मौके पर राहत कार्य चलाने की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से प्रदर्शित किया गया।

10 मिनट में 1.5 लीटर कोल्ड ड्रिंक पीने से 22 वर्षीय युवक की मौत

विश्व केसरी■

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां गर्मी से राहत पाने के लिए 10 मिनट के भीतर 1.5 लीटर कोका-कोला पीने से एक 22 वर्षीय युवक की जान चली गई।

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, इतनी तेजी से सॉफ्ट ड्रिंक पीने के कारण युवक के शरीर में गैस का खतरनाक स्तर बन गया। इससे उसके लिवर तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

पेट में सूजन और शॉक लिवर की शिकायत

ड्रिंक पीने के छह घंटे बाद पेट में तेज दर्द और सूजन की शिकायत पर युवक को बीजिंग के चाओयांग अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती



जांच में मरीज की दिल की धड़कन तेज, सांसें उथली, ब्लड प्रेशर बेहद कम और वह इस्केमिक हेपेटाइटिस (शॉक लिवर) से पीड़ित पाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, यह स्थिति लिवर में खून का बहाव रुकने से पैदा होती है।

इलाज के 18 घंटे बाद तोड़ा दम

'क्लिनिक्स एंड रिसर्च इन हेपेटोलॉजी एंड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, तेजी से सोडा पीने के कारण उसकी आंतों में अत्यधिक गैस बनी, जो बाद में लिवर की मुख्य रक्त वाहिका में रिस गई। डॉक्टरों ने उसे बचाने के लिए दवाएं दीं और लिवर का नुकसान रोकने का प्रयास किया, लेकिन 12 घंटे बाद आई रिपोर्ट में गंभीर क्षति की पुष्टि हुई।

संपादकीय

धर्म, अर्थ, 'काम', मोक्ष का संगम हैं रामलीलाएं



डॉ. घनश्याम बादल

रामलीलाएं केवल रामकथा का मंचन नहीं , भारतीय समाज की धार्मिक आस्था, लोककला, अभिनय, संगीत, संवाद, सामाजिक सहभागिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था का ऐसा संगम है, जिसमें सदियों की सांस्कृतिक यात्रा दिखाई देती है।

कथा से लोकपरंपरा तक:

रामकथा की भारत में अत्यंत प्राचीन परंपरा है। वाल्मीकि रामायण से लेकर विभिन्न भारतीय भाषाओं में रचे गए रामकाव्यों ने इस कथा को जन-जन तक पहुंचाया। मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस ने रामकथा को लोकभाषा और लोकजीवन से गहरे जोड़ने का काम किया। माना जाता है कि तुलसीदास से जुड़ी रामकथा की लोकमंचीय परंपराओं ने आगे चलकर रामलीला के विभिन्न रूपों को व्यापक आधार दिया।

एक रामलीला अनेक रूप

रामलीला का कोई एक अखिल भारतीय प्रारूप नहीं है। उत्तर भारत में इसकी अनेक शैलियां विकसित हुईं। कहीं संवाद और गायन प्रधान है, कहीं झांकियां महत्वपूर्ण हैं, कहीं पूरा नगर ही रामलीला का मंच बन जाता है। वाराणसी की रामनगर रामलीला इसका विशिष्ट उदाहरण है, जहां रामकथा का मंचन एक दिन या एक मंच तक सीमित न रहकर कई दिनों तक विभिन्न स्थानों पर चलता है।

यही विविधता रामलीला को केवल धार्मिक आयोजन न रहकर लोकसंस्कृति का जीवंत दस्तावेज बनाती है।

धार्मिक आयाम:

रामलीला का मूल आधार आस्था है। राम मर्यादा के प्रतीक हैं, सीता त्याग और धैर्य की, लक्ष्मण कर्तव्य की, भरत भ्रातृप्रेम की और हनुमान समर्पण तथा सेवा की। रामलीला का धार्मिक महत्व इस बात में है कि यह मंदिर की चारदीवारी से बाहर आकर धर्म को सार्वजनिक जीवन से जोड़ती है। हजारों लोग एक साथ कथा सुनते और देखते हैं। पूजा और मनोरंजन के बीच की दूरी यहां बहुत कम हो जाती है।

लेकिन रामलीला की सार्थकता केवल धार्मिक भाव-विभोरता में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में है जिन्हें रामकथा समाज के सामने रखती है। यदि रामलीला देखकर मनुष्य सत्य, संयम, करुणा, कर्तव्य और न्याय के प्रश्नों पर विचार करे तो उसकी धार्मिकता कर्म में बदलती है।

और कर्म की पाठशाला

रामलीला भारतीय लोककला की बड़ी पाठशाला है। अभिनय, संवाद, गायन, वादन, वेशभूषा, मुखौटे, मुकुट, आभूषण, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और चित्रकला – कला की कितनी ही विधाएं इसमें एक साथ समाहित हैं। एक रामलीला के पीछे केवल अभिनेता नहीं दर्जी, बढ़ई, रंगकर्मी, मूर्तिकार, मेकअप कलाकार, संगीतकार, वादक, मंचकर्मी और तकनीकी कर्मचारी भी जुड़े होते हैं। पीढ़ियों से अनेक परिवार रामलीला से संबंधित अलग-अलग कलाओं को आगे बढ़ाते हैं।

आज एलईडी स्क्रीन, डिजिटल ध्वनि, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और विशेष प्रभावों ने मंच को भव्य बना दिया है। मगर चुनौती यही है कि तकनीक कथा पर हावी न हो जाए। रामलीला का आकर्षण उसके चमत्कार में कम और उसके भाव में अधिक है।

सामाजिक समरसता का मं

रामलीला की सबसे बड़ी सामाजिक विशेषताओं में से एक है—सामूहिक सहभागिता। इसमें मोहल्ले, गांव और शहर का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ता है। कोई कलाकार बनता है, कोई व्यवस्था संभालता है, कोई चंदा देता है और कोई दर्शक बनकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। विभिन्न समुदायों और सामाजिक वर्गों के लोग आयोजन से जुड़ते हैं। यही लोकपरंपरा की खूबसूरती है कि वह समाज को केवल दर्शक नहीं रहने देती, उसे सहभागी बना देती है।

आज की डिजिटल दुनिया में रामलीला जैसे आयोजन सामूहिक अनुभव की वह जगह हैं जहां लोग मोबाइल स्क्रीन से बाहर निकलकर एक-दूसरे के साथ बैठते, हंसते,भावुक होते हैं और कथा के साथ जुड़ते हैं।

आर्थिक गतिविधियों का बड़ा अवसर

रामलीला का एक खास आर्थिक पक्ष भी है, मंच सजता है तो स्थानीय कारीगरों को काम मिलता है। पोशाकें बनती हैं तो दर्जियों का काम बढ़ता है। मुकुट, गदा, धनुष-बाण और आभूषण तैयार होते हैं तो छोटे व्यवसायों को रोजगार मिलता है। मेले लगते हैं तो खिलौने, खान-पान, सजावटी वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों की बिक्री बढ़ती है। रामलीला मैदानों के पास अस्थायी दुकानों और स्थानीय सेवाओं से अनेक लोगों की आय होती है। इस दृष्टि से रामलीला केवल धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन मात्र नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला मौसमी उत्सव भी है।

बदलता समय, बदलती रामलीला

आज रामलीला के सामने सबसे बड़ी चुनौती मनोरंजन के बदलते माध्यम हैं। कभी पूरे परिवार के लिए रामलीला ही बड़ा सार्वजनिक मनोरंजन थी। अब मोबाइल, ओटीटी, सोशल मीडिया और डिजिटल वीडियो ने दर्शकों

गांधी जी का रामराज्य और भारत



– सुरेश हिंदुस्थानी

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी।

भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।

भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे

राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए।

महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय



स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है।

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगे। महात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है, उसके कारण हमारे देश का पैसा विदेशी संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा है। अपने देश का पैसा अपने देश में ही रहे, इसलिए गांधी जी ने स्वदेशी का विचार अपने जीवन में अपनाया और समाज को प्रेरित किया। आज इस भाव को इसलिए भी अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है, जो केवल स्वदेशी विचार से ही संभव है। इतना ही नहीं गांधी जी भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को भी देश के विकास का मजबूत आधार मानते थे। हालांकि अब भारत का समाज स्वदेशी की ओर जाग्रत भाव के साथ अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध चाहते थे। हम जानते हैं गौ हमारे देश का अर्थशास्त्र है। गाय देश की आर्थिक उन्नति से जुड़ी है। देश में जब गौ आधारित खेती होती थी, तब देश धन धान्य से संपन्न था। धरती के सोना उगलने का समय भी यही था। वास्तव में गांधी जी का चिंतन अद्भुत था। उनका हर शब्द भारत की आत्मा ही था। हमें भारत की आत्मा को बचाना है तो गांधी जी विचारों को आत्मसात करना होगा। इसी से भारत की समृद्धि का मार्ग निर्मित होगा और हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे।

पूंजीवाद की जमीन पर पनपता है हर बाद

राकेश अचल

मैं कोई बडा अध्येता नहीं इसलिए अधिकारपूर्वक समाजवादी पार्टी द्वारा एक धनपति को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर टिप्पणी करने से बचता रहा.लेकिन अपने वरिष्ठ समाजवादी मित्र श्री रमाशंकर सिंह की इस टिप्पणी के बाद कि –' कांग्रेस समर्थक और वित्त पोषित पत्रकारों का सपा पर विलाप थोथा है.' मैं भी इस विषय पर अनाधिकार टिप्पणी करने से अपने आप को रोक नहीं सका.

रमाशशंकर सिंह ने सही कहा कि 'सूपा जो बोले सो बोले , छलनी भी बोले जिसमें सौ- सौ छेद '.उन्होने तर्क भी दिए और बताया कि कॉरपोरेट और धन शक्ति को राजनीति चुनाव में प्रवेश कराने वाली कांग्रेस भी बोलेगी, जिसने अम्बानी को पैदा किया , बढ़ाया ! अभी भी जो अम्बानियों अडानियों के पैसो से चुनाव लड़ती है. पिछला इकेक्टोरल बॉड का 900 करोड़ रु क्या घर घर से दस दस रुपये इकट्ठा किया फंड था ?

बकौल रमाशंकर सिंह इंदिरा काल में वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी को अम्बानी मंत्रालय का मंत्री कहा जाता था. अम्बानी के इशारे से पांच पांच दिन के लिये सरकारी नियम बदलते देखे हैं इस देश ने. बहुतों को यह जानकारी शायद न भी हो कि अडाणी भी कांग्रेस राज में बढ़ाये गये(जिसे बाद में मोदी ने हड़प लिया) शक हो तो कमलनाथ से पूछ लो जिन्हें आज भी अडाणी अपना संरक्षक मानते हैं – दरअसल आदि संरक्षक.

कितने ही धनपशु कांग्रेस ने राज्यसभा में पहुँचाये और मुख्यमंत्रियों से वसूली का ही धंधा ही कांग्रेस ने शुरु करवाया जिससे पार्टी महा भ्रष्ट हुई. ? यही काम आज बहुत बड़े अकल्पनीय पैमाने पर भाजपा कर रही है.कांग्रेस का तो एक मुख्यमंत्री आज भी अपने को विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता कहता है और राहुल भइया का खासमखास है. एक राज्य में अपने विचार का मुख्यमंत्री नहीं ढूंढ पाते और ज्ञान देने चले हैं. आज भी यदि भूपेश बघेल , कमलनाथ , डीके शिवकुमार, रेवंत रेड्डी जैसे अपने पैसों के दम पर ही कांग्रेस हाई कमान की आँखों के तारे हैं.

निर्दलीय और विचार से प्रतिबद्ध समाजवादी के नाते हममें से कईयों ने सपा की सख्त शब्दों में लानत मलामत कर दी है कि अम्बानी सहचर को राज्यसभा में क्यों भेजा । हमारी नजर में यह निंदनीय कृत्य था लेकिन कांग्रेसियों को तो देखो जैसे वे हमेशा से ही निर्मल धन से अपनी राजनीति चलाते आये हों. कई कांग्रेसी पत्रकार जॉर्ज सोरोस के धन से विदेश में भेजे जाते हैं और यहाँ भारत में ज्ञान बांटते हैं.

श्री सिंह को अखिलेश की आलोचना पर गुस्सा आना स्वाभाविक है क्योंकि यह कहा गया कि ' कांग्रेस विरोध में शैतान से भी हाथ मिला सकते हैं समाजवादी ' !.सिंह मानते है कि हाँ , हम हर अलोकतांत्रिक अन्यायी भ्रष्ट सत्ता को उखाड़ने के लिये हर शैतान से हाथ मिलायेंगें और जैसे ही दूसरा कोई अन्य उसी राह पर चलेगा तो उसे भी उखाड़ फैंकेंगे.



मैं रमाशंकर सिंह के इस तर्क को कुतर्क की श्रेणी में नहीं रखता क्योंकि वे जो सोचते हैं,कहते हैं सो निडर होकर कहते हैं.ये गूदा अखिलेश यादव में नहीं है.अन्यथा अखिलेश भी कह सकते थे कि –इसे ही ये लोग गैरकांग्रेसवाद कह कर प्रचारित करते हैं जबकि सत्ता से हटाने की यही तरीका है जो इंडिया गठबंधन के रूप में कांग्रेस ने स्वीकार किया है. इस गठबंधन में शिवसेना क्या है ?शरद पवार क्या हैं ?ममता बैनर्जी क्या हैं ?क्या बंगाल में अडाणी का निवेश नहीं आया ?सीपीएम के समय केरल का बंदरगाह क्या अडाणी के धन से नहीं बना और सीपीएम की सहमति से ?राजस्थान में अशोक गैहलोत के मुख्यमंत्री काल में अडाणी निवेश का बचाव राहुल गांधी ने नहीं किया था ? क्या ये सब कॉरपोरेट के बग़ैर राजनीति करते हैं जैसे कांग्रेस खुदकरती है ?

सिंह के तमाम तर्कों के बावजूद मैं इस बात से इत्तफाक नहीं रखता कि सपा पर बोलने का हक किसी भी कांग्रेसी और उनके पिट्ठू पत्रकारों को नहीं है.'सपा पर बोलने वाले सब पत्रकार कांग्रेसी या उसके पिट्ठू हों ये जरूरी नहीं.टिप्पणी करने का अधिकार सबको है.मेरा मानना है कि दुनिया में तमाम वाद यानि विचारधाराओं के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूंजी एक आवश्यक उर्वरक है.पूंजीवाद की खाद से हर वाद अच्छी फसल देने लगता है,फिर चाहे वो समाजवाद हो,साम्यवाद हो या गांधीवाद.

इस मामले में रमाशंकर सिंह ने जो सवाल समानधर्मा अखिलेश से किए हैं वे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं.वे प्रश्न करते हैं कि चार बार उप्र की सरकारें चला चुका परिवार और बुरी हालत में भी सवा सौ विधायक जीतने वाली पार्टी चार सौ स्थानों में कम साधनों में चुनाव लड़ने में क्यों अक्षम है ?

उनका सवाल है कि क्या एक राज्यसभा किसी कार्यकर्ता मुसलमान को देना उचित नहीं होता ? क्या बार बार एक ही आदमी (या औरत) को राज्यसभा में भेजना उचित है ? पहले जया बच्चन चार बार और अब चाचा जी तीसरी बार !चाचा को लोकसभा लड़ाओ ?

असल सवाल यही है कि –'ज़मीनी तैयारी कर नैतिक व शुचिता पूर्ण ढंग से सत्ता लेकर धनपशुओं को नचाना ठीक है या खुद घुँघरू पहन लेना ? फिर समाजवादी नाम क्यों ?

मजे की बात ये है कि तमाम आलोचना के बावजूद न समाजवादी पूंजीपतियों को छोडेंगे न भाजपाई.कांग्रेस भी क्यों छोडे और वामपंथी भी पूंजीपतियों को अस्पृश्य क्यों माने.हर पूंजी इसी देश की आम जनता के शोषण की फसल है.उसका इस्तेमाल कोई अमेरिका या दूसरे देश में उद्योग लगाने में करे इससे बेहतर है कि देश की पूंजी देश के भीतर ही रहे.जेब चाहे किसी वाद की हो.

बोध कथा

जैसा करोगे, वैसा भरोगे

एक गांव में एक किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन लालची भी था। एक दिन उसे रास्ते में सोने से भरी एक थैली मिली। उसने थैली के मालिक को खोजने के बजाय सोना अपने पास रख लिया। कुछ दिनों बाद गांव में एक गरीब किसान की भैंस चोरी हो गई। गांव वालों ने खोजबीन की तो पता चला कि भैंस उसी लालची किसान के घर के पीछे बंधी थी। किसान ने कहा, मैंने चोरी नहीं की। तभी गांव के एक बुजुर्ग ने कहा, 'जिस दिन तुम्हें रास्ते में सोने की थैली मिली थी, उसी दिन तुमने किसी और की चीज अपने पास रख ली थी। आज तुम्हारे साथ भी वही हो रहा है।

किसान को अपनी गलती समझ आ गई। उसने सोने की थैली उसके मालिक को लौटा दी और भैंस भी वापस कर दी।

बोधः के साथ जैसा व्यवहार हम करते हैं, वैसा ही व्यवहार किसी न किसी रूप में हमारे पास वापस आता है।

कविता

आज काफ़ी समय बाद



-डॉ. सत्यवान सौरभ

सुख की खातिर उम्र भर, सहता मन संताप।
मंज़िल फिर भी दूर है, बढ़ता जाता ताप॥

कल के सुख की आस में, आज हुआ बेहाल।
जीवन की इस दौड़ में, बीत गया हर साल॥

सुख पाने की चाह में, दुख को लिया सँवार।
जीवन भर बस खोजता, सुख का सौरभ द्वार॥

सुख की खातिर आदमी, करता नित संघर्ष।
दुख की छाया साथ है, जीवन बना विमर्श॥

दुख से भागे सुख मिले, ऐसी कहाँ मिसाल।
दुख-सुख दोनों साथ हैं, जैसे दिन और रात॥

सुख के पीछे दौड़ते, दुख आया हर बार।
जीवन की इस भूल का, कौन करे उपचार॥

आशा लेकर सुख भरी, दुख सहता हर बार।
समय निकलता जा रहा, सूना मन संसार॥

सुख की चाहत ने दिया, दुख का लंबा साथ।
जीवन भर चलता रहा, खाली लेकर हाथ॥

सुख पाने की लालसा, ढाले मन पर भार।
दुख जितना दबता गया, उतना हुआ अपार॥

सुख की पाने आदमी, दुख से करता प्यार।
जिससे बचना चाहता, वही बने आधार॥

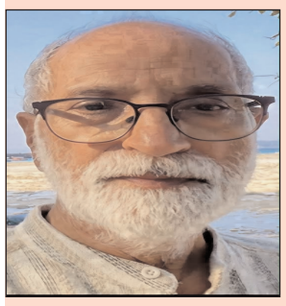
सुख के सपने देखता, दुख में कटती रात।
जीवन की इस राह पर, कौन समझता बात॥

सहते दुख की धूप को, सुख की रखता आस।
जीवन जैसे प्यास में, खोज रहा मधुमास॥

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

व्यंग्य केसरी

एहसान-मंद बनाम...



डॉ.रामेश्वरम तिवारी

गुरु जी ने सुदर्शन की 'डाकू खड्गसिंह' की कहानी का अध्यापन समाप्त किया और छात्रों से कहा– 'अगर किसी को कहानी के संदेश पर कुछ पूछना है, तो वह प्रश्न पूछ सकता है।' कक्षा में अंतिम पंक्ति में बैठे प्रखर ने हाथ ऊपर उठाया और अपनी जगह पर खड़े होते हुए पूछा– 'गुरू जी! कृपया यह जरा यह स्पष्ट करने का कष्ट करें कि ये एहसान-मंद और एहसान-फ़रामोश कौन होता है। कल मेरे पड़ोस में रहने वाले शर्मा अंकल किसी को फ़ोन पर बुरी तरह लताड़ रहे थे कि मैंने तुम्हें भला आदमी समझकर वक्त-ज़रूरत पड़ने पर इंसानियत के नाते तुम्हारी मदद की, पर तुम तो बड़े एहसान-फ़रामोश क़िस्म के व्यक्ति निकले। मेरे पैसे वापस लौटाने की बात तो दूर की रही। कभी भूलकर फ़ोन पर धन्यवाद तक ज्ञापित करना मुनासिब नहीं समझा।'

गुरु जी ने प्रखर की बुद्धिमानीपूर्ण सवाल की सराहना करते हुए कहा– 'देखो वत्स! बात ऐसी है कि जब हम अपने-पराए के भेद को भूलाकर किसी व्यक्ति के बुरे वक्त यानी प्राकृतिक आपदा या आर्थिक संकट में मदद करते हैं, तो उसे दुनियावी लहजे में मदद कहते हैं। तुलसीदास जी के शब्दों में 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई', पर जब उधार माँगने पर किसी व्यक्ति को कर्ज के रूप देते पैसे देते हैं, तो उस रक़म को निर्धारित समय पर ब्याज सहित वापस लौटानी होती है और उस व्यक्ति को क़र्ज़दार या बाकीदार कहते हैं। पर जब हम किसी व्यक्ति के बुरे वक्त में काम आते हैं और उस व्यक्ति की मदद करते हैं और वह एहसान नहीं मानता है उसे एहसान-फ़रामोश कहते हैं। जबकि इसी बात को हमारे शास्त्रों, ऋषि-मुनि, संत-महात्माओं ने तो यहाँ तक कहा है कि इंसान होने के नाते ज़रूरतमंदों की मदद करने को ''नेकी कर दरिया में डाल'' यानी जिस किसी व्यक्ति का अगर आपने भला किया है उस बात को हमेशा के लिए भूला देना चाहिए है।

प्रखर ने पुन: आग्रह किया– 'गुरु जी जरा और विस्तारपूर्वक समझाने की कृपा करें।' इस पर गुरु जी बोले– 'उदाहरण के लिए जब कोरोना काल में हमारे देश की सरकार ने मानव-धर्म का पालन करते हुए दुनिया के बहुतेरे देशों को वैक्सीन प्रदान की,.बिना भेद-भाव के मैत्री-शत्रुता का विचार किए विश्व के लोगों की जान बचाने में बढ़-चढ़कर भूमिका निभाई, प्राकृतिक आपदाओं के समय विदेशी सरकारों की नाना प्रकार से मदद की, पर जब आतंकियों द्वारा हमारे देश के निर्दोष नागरिकों की जानें ली जा रही हैं। पड़ोसी देश द्वारा आतंक की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, देश पर जबरन युद्ध थोपा जा रहा है। ऐसे वक्त में वैश्विक देशों को हमारे पक्ष में खड़ा होना चाहिए, पर मित्रता का दंभ भरने का दावा करने वाले कतिपय देश और हमारे देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी द्वारा उल्टा देश की सरकार पर ही दोषारोपण किया जा रहा है। ऐसे देशों और दलों के मुखियाओं को एहसान-फ़रामोश और उनके द्वारा किए जाने वाले कृत्यों को एहसान-फ़रामोशी कहते हैं।'

इतिहास

739 – रूस और स्वीडन के बीच युद्ध समाप्त करने वाली संधि के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आया।

1863 – अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने थैंक्सगिविंग डे को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाने की घोषणा की।

1932 – इराक राष्ट्र संघ (स्द्धड्डद्दह्वद्ग श्रद्ध द्दड्डह्लद्धश्रठ्ठह्य) का सदस्य बनने वाला पहला अरब देश बना।

1952 – ब्रिटेन ने अपना पहला परमाणु बम परीक्षण ऑपरेशन हरिकेन के तहत किया।

1990 – जर्मनी के पुनर्एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई और पूर्वी एवं पश्चिमी जर्मनी का औपचारिक एकीकरण हुआ।

1993 – रूस में संवैधानिक संकट के दौरान मॉस्को में संसद भवन के आसपास गंभीर राजनीतिक टकराव हुआ।

2013 – भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू हुआ, जिसका उद्देश्य बड़ी आबादी को सब्सिडी वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराना था।

एनटीपीसी सीपत में गांधी जयंती पर सफाई मित्रों का किया गया सम्मान

विश्व केसरी■



कोरबा (मधु डिडवानिया)। एनटीपीसी सीपत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जनभागीदारी, स्वच्छता जागरूकता, कर्मचारियों के कल्याण और समावेशी विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकास खरे, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगी एजेंसियों के प्रतिनिधियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में खरे ने सभी से महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के विनम्र, सरल नेतृत्व एवं देश सेवा के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आधारित स्वच्छता पखवाड़े का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवेश को स्वच्छ रखकर गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। संविदा कर्मियों के लिए खेलकूद महोत्सव-2026 एनटीपीसी सीपत के उत्कृष्ट संचालन में संविदा कर्मियों के अमूल्य परिश्रम और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने तथा उनमें टीम भावना और भाईचारे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में खेलकूद महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन विकास खरे ने किया। इस दौरान किक द बॉल, हिट द स्टंप, गोला फेंक, होल्ड द ब्रिक्स और बैक रेस जैसी लगभग 15 खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनमें 300 से अधिक संविदा कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय यूनियनों, एसोसिएशनों और स्पोर्ट्स काउंसिल का सक्रिय सहयोग रहा। 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत सफाई मित्रों का सम्मान 'स्वच्छता के लिए जनभागीदारी एवं जागरूकता' को केंद्र में रखते हुए आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने वाले सफाई मित्रों का विशेष सम्मान किया गया। महाप्रबंधकगणों एवं विभागाध्यक्षों ने सफाई मित्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके निरंतर योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लिंगम वेंकट रेड्डी, महाप्रबंधक (मेंटिनेंस), भक्त बत्सल पात्रा, प्रमुख (मानव संसाधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सफाई मित्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरी मिर्च की बोरियों में 2 करोड़ का गांजा

विश्व केसरी■





रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस ने लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर मिनी ट्रक से 440.63 किलो गांजा जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ 20 लाख 31 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक ट्रक ओडिशा से मिर्च लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा था।

जांच के दौरान पुलिस ने 14 बोरियों में रखे 440 पैकेट गांजे बरामद किए। तस्करी में इस्तेमाल मिनी ट्रक की कीमत करीब 20 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गांजा और वाहन समेत कुल 2 करोड़ 40 लाख 31 हजार 500 रुपए का माल जब्त किया है। 2 आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। मामला तपकरा थाना क्षेत्र का है।

एक दिन पहले ही सूरजपुर जिले में एक करोड़ का गांजा बरामद हुआ था। दरअसल, घाट पेंडारी में उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा ट्रक पलट गया था। प्लास्टिक दाना की बोरियों से कुछ बोरियों को अलग रखने पर लोगों को शक हुआ। जांच करने पर 238 किलो गांजा बरामद हुआ। जिसकी कीमत 1 करोड़ 19 लाख रुपए आंकी गई।

लावाकेरा बैरियर पर तलाशी में खुला राज - कार्रवाई 2 अक्टूबर की सुबह करीब 9 बजे की है। एंटी नारकोटिक्स टीम और तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम जांच कर रही थी। ओडिशा की ओर से आने वाले संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान पुलिस ने टाटा आईसर मिनी ट्रक क्रमांक क्क-71-ञ्ञ-6592 को रोका।

ट्रक में सवार 2 युवकों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम मो. वसीम (28) और मो. आसिफ (34) बताया। दोनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के रहने वाले हैं।

ऊपर मिर्च की बोरियां, नीचे छिपा था गांजा - पुलिस के मुताबिक ट्रक में लदे सामान के बारे में पूछने पर दोनों ने बताया कि इसमें मिर्च की बोरियां हैं, जिन्हें ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। पुलिस को संदेह होने पर ट्रक की बारीकी से जांच की गई। ऊपरी हिस्से में मिर्च से भरी बोरियां मिलीं। पुलिस टीम ने उन्हें एक-एक कर हटाया तो नीचे रखी अन्य बोरियां दिखाई दीं।

जांच करने पर उनमें टेप से लिपटे पैकेट मिले। पैकेट खोलकर देखने पर गांजा मिला।

शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के लिए 22 करोड़ 8 लाख 59 हजार की स्वीकृति

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। राज्य सरकार द्वारा जांजगीर- चाम्पा जिले के शिवरीनारायण- खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण कार्य की बड़ी सौगात दिया है द्य शिवरीनारायण से खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य के लिए 2208.59 लाख (22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये) की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क निर्माण की मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण सड़क कार्य को स्वीकृति मिली है। इससे क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधाएं बेहतर होंगी।

यह मार्ग लगभग 11.70 किलोमीटर लंबा है। मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से भी क्षेत्र में सड़क एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति मिली है।

इस मार्ग के निर्माण एवं मजबूतीकरण से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों, कृषि उपज के परिवहन और सामाजिक-आर्थिक संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय एवं आसपास के प्रमुख बाजारों से संपर्क और अधिक सुगम हो सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में और उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा सड़क एवं पुल-पुलिया जैसी मूलभूत अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के साथ ही क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

शुष्क दिवस पर अकलतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। 02 अक्टूबर शुष्क दिवस के अवसर पर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अकलतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 104 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने मामले में वार्ड क्रमांक 13 निवासी प्रकाश भारद्वाज (42 वर्ष), पिता स्व. भारत भारद्वाज को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विजय पाण्डेय (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलेण्डन यार्क के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अकलतरा डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में शुष्क दिवस को देखते हुए अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान अकलतरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकाश भारद्वाज ने अपने घर के भीतर चार लोहे के दरवाजों के पीछे बने कमरे में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी है तथा किराना दुकान की आड़ में उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर मकान की तलाशी ली और संबंधित कमरे को खोलकर शराब बरामद की।

राखड़ डंपिंग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी, जनदर्शन में शिकायत

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। ग्राम पंचायत बासीन के आश्रित ग्राम तुरी में फ्लाई ऐश डंपिंग को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत प्रस्तुत की है। ग्रामीणों ने निजी भूमि पर निर्धारित अनुमति से अधिक तथा शासकीय भूमि पर कथित रूप से बिना अनुमति राखड़ डंप किए जाने की जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि खसरा नंबर 1/7 और 1/10 की निजी भूमि के लिए अनुमति ली गई है, लेकिन इसके अलावा खसरा नंबर 1/5 में भी राखड़ डंप की जा रही है। वहीं खसरा नंबर 1/1 की शासकीय बड़े झाड़ के जंगल मद की भूमि पर बिना अनुमति फ्लाई ऐश पाटे जाने का आरोप लगाया गया है।

खुले में राखड़ से परेशानी का दावा - शिकायतकर्ताओं के अनुसार, खुले में बड़ी मात्रा में राखड़ जमा होने के कारण हवा चलने पर राख के कण आसपास के क्षेत्र में फैलते हैं। ग्रामीणों ने इससे आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी सहित स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की आशंका जताई है। खेतों में राखड़ पहुंचने से फसलों के प्रभावित होने और जलस्रोतों के दूषित होने की भी बात कही गई है।

नियमों के पालन पर उठाए सवाल- ग्रामीणों ने राखड़ डंपिंग के दौरान पानी का छिड़काव नहीं किए जाने और राखड़ को मिट्टी से ढकने की व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इससे गांव के रास्ते और पशुओं के चरने की जगह भी प्रभावित हो रही है।

शिकायत में ग्रामीणों ने विरोध करने पर विवाद तथा झूठे एससी-एसटी प्रकरण में फंसाने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मौके का निरीक्षण कराकर भूमि और राखड़ डंपिंग की अनुमति की जांच, शासकीय भूमि से राखड़ हटाने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

पीवी ऐप से गिरदावरी के विरोध में कृषि अधिकारी संघ ने सौंपा ज्ञापन



विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। खरीफ फसल गिरदावरी 2026-27 को लेकर कृषि अधिकारी संघ ने राजस्व विभाग के कार्यों में ड्यूटी लगाए जाने का विरोध किया है। छत्तीसगढ़ कृषि अधिकारी संघ की अध्यक्ष पदमनी नेताम के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कृषि अधिकारियों को पीवी ऐप से गिरदावरी सहित गैर-विभागीय राजस्व कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई।

संघ का कहना है कि कृषि अधिकारी पहले से एग्रीस्टैक, फार्मर आईडी सहित विभिन्न कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। दूसरे विकासखंडों में राजस्व कार्यों की ड्यूटी लगाए जाने से कृषि विभाग के मूल कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों के बावजूद कार्रवाई या अनुशासनात्मक कदम उठाया गया तो प्रांतीय आह्वान पर आंदोलन और हड़ताल की जाएगी।

भानबेड़ा स्कूल के 9 क्रिकेट खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन



विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानबेड़ा के 9 क्रिकेट खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इनमें अंडर-17 के 7 और अंडर-19 के 2 खिलाड़ी शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी शुक्रवार को सारंगढ़ के लिए रवाना होंगे, जहां 4 से 7 अक्टूबर तक प्रतियोगिता आयोजित होगी।

इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के कोच रवि प्रकाश लोहसिंह के मार्गदर्शन और मेहनत को दिया जा रहा है। वे खो-खो के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अंपायर भी हैं। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष भी विद्यालय के 7 खिलाड़ियों का राज्य स्तर और 1 खिलाड़ी का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ था। खिलाड़ियों की सफलता से विद्यालय परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

माता-पिता ने तीन माह की बच्ची को मार डाला

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिले मे तीन माह की मासूम बच्ची की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। बच्ची की हत्या के आरोप में उसके विधि से संघर्षरत माता-पिता को ही गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, बच्ची जन्म के बाद से ही अक्सर बीमार रहती थी। उसके इलाज और परिवार की आर्थिक परेशानियों के चलते माता-पिता तनाव में थे। इसी वजह से बच्ची की हत्या किए जाने की बात पुलिस जांच मे सामने आने की बात कही जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना 29 सितंबर की रात की है। परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो गए थे। रात करीब 2 बजे बच्ची के पिता ने परिजनों को बताया कि उनकी तीन माह की बेटी बिस्तर से गायब हो गई है। इसके बाद परिवार और आसपास के लोगों ने घर, आंगन तथा खेतों में बच्ची की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह करीब 7:30 बजे बच्ची की दादी पानी भरने के लिए आंगन में गईं। इस दौरान पानी के ड्रम को खाली करने के लिए देखने पर बच्ची उसके अंदर मृत अवस्था में मिली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण, तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर विश्व केसरी (शैलेन्द्र केशरवानी) हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना गया है। यह अवधि अपने दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण व्यक्त करने का अवसर माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान लोग अपने पितरों की आत्मिक शांति और उनके प्रति सम्मान की भावना से श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान तथा दान-पुण्य जैसे धार्मिक कार्य करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में किए गए श्राद्ध एवं तर्पण से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। परिवार में दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी तथा अन्य पूर्वजों को उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। जिन लोगों को पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, वे पितृपक्ष की सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध एवं तर्पण करते हैं। पितृपक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई



पीढ़ी को अपने पूर्वजों, परिवार की परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का भी अवसर प्रदान करता है। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन कराना, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री का दान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार, पितृपक्ष का मूल संदेश अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, स्मरण और सम्मान की भावना को बनाए रखना है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यह पर्व परिवार और समाज को अपनी जड़ों तथा पूर्वजों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

पितृपक्ष में पूर्वजों के तर्पण और श्राद्ध की परंपरा, श्रद्धा के साथ किए जा रहे धार्मिक अनुष्ठान

पितृपक्ष शुरू होते ही बिलासपुर एवं आसपास के क्षेत्र में भी पूर्वजों के स्मरण एवं उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के लिए श्राद्धकर्म, तर्पण एवं पिंडदान का सिलसिला चल रहा है।सुबह से लोग नदी तालाब एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुँच कर अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में तर्पण कर रहे हैं वहीं घरों में भी पुरोहितों के मार्गदर्शन में श्राद्ध एवं धार्मिक अनुष्ठान कराये जा रहे हैं तथा ब्राह्मण भोज, गौसेवा और जरूरतमंदों को दान भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पितृपक्ष परिवार की परंपराओं और पूर्वजों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान नई पीढ़ी भी श्राद्ध और तर्पण की परंपरा से परिचित हो रही है। पुरोहितों का कहना है कि पितृपक्ष में श्रद्धा के साथ किए जाने वाले तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व माना गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व

पितृपक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या पर विशेष रूप से श्राद्ध एवं तर्पण किए जाएंगे। जिन पितरों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, उनके लिए इस दिन श्राद्ध करने की परंपरा है। इसके चलते सर्वपितृ अमावस्या पर धार्मिक स्थलों और नदी घाटों पर अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

वीर भगत सिंह को उनके 119 जयंती पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने किया याद

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। अपने वतन के लिए शहीद होने वाले कभी नहीं मरते वे हमेशा जिंदा रहते हैं हमारी यादों में हमारे सपनों में और या हमारी उम्मीदों में यह विचार शहीदे आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की शाखा सक्ती के कार्यकर्ताओं के द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह सिंह को स्मरण करने के लिए आहूत बैठक में कामरेड अनिल शर्मा ने उक्त बातें कहीं ।

कामरेड अनिल शर्मा ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह के जन्म दिन पर भारत की जनता उन्हें शत् शत् नमन करते नजर आती है क्योंकि उनका पूरा जीवन गैर बराबरी . शोषण तथा साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध लड़ते हुए गुजरा यदि वे आज होते तो वर्तमान फासिस्टवादी सरकार के खिलाफ पूरे दमखम से भी लड़ते रहते शहीदे आजम भगत सिंह को याद करते हुए कामरेड देवेंद्र जायसवाल ने कहा कि वे हमेशा देश के युवाओं के प्रेरणा श्रोत बने रहेंगे क्योंकि इक्कीस (21) साल की उम्र में बहरी गूंगी अंग्रेज सरकार को भारत की आजादी की आवाज सुनने असेम्बली मे बम फेका था। सभा को कामरेड हेमलाल देवांगन ने भी सबोधित किया और कहा कि शहीद भगत सिंह ने अपना पूरा जीवन भारत की आजादी के लिए बलिदान कर दिया था । शहीदे आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती की शुरुवात उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते के बाद शुरू किया गया सभा में कामरेड आशीष शर्मा कामरेड विनोद द्विवेदी कामरेड अशोक गबेल कामरेड बाबी देवांग कामरेड अनिल शर्मा सक्ती उपस्थित थे।

वंदे भारत कटरा-बनिहाल सेक्शन में 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक की रहेगी रफ्तार: अश्विनी वैष्णव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को घोषणा की कि 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम अनुमत गति को 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दिया गया है। साथ ही, इसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) प्रोजेक्ट पर रेल संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंत्री ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि रफ्तार में वृद्धि सफल ट्रायल के बाद की गई है।

उन्होंने कहा, 'आज का दिन ऐतिहासिक है। 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम



अनुमत गति को 75 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है।' ट्रायल के दौरान, वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26401/26404) ने 100 किमी/घंटा की रफ्तार से चिनाब ब्रिज (जिसे दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज माना जाता है) और अंजी में भारत के पहले केबल-स्टेयड रेल ब्रिज को पार किया। अनुमत गति में इस बढ़ोतरी से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यूएसबीआरएल कॉरिडोर पर ऑपरेशनल क्षमता में सुधार की उम्मीद है, जो कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

वैष्णव ने कहा, 'आज बढ़ी हुई स्पीड का सफल परीक्षण किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26401/26404) ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज और भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी ब्रिज को 100 किमी/घंटा की रफ्तार से पार करके एक नया रिकॉर्ड बनाया।' मंत्री ने कहा, 'इस सुधार से यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट पर ट्रेन का संचालन आसान होगा, यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।' चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट की अहम इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से हैं। इस प्रोजेक्ट को जम्मू-कश्मीर में हर मौसम में काम करने वाली रेल कनेक्टिविटी देने के लिए बनाया गया है।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पॉप्ड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना की गई है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी (पूर्णिया) द्वारा स्रोतित की गई है और इसका निर्यात एस. एस. फूड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। यह खेप मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएस पोर्ट तक भेजी जाएगी।

सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। इससे यह संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80-85 प्रतिशत है। राज्य के 10 जिलों में 35,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाना की खेती की जाती है, जिससे यह क्षेत्र हजारों किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 2.2 करोड़ डॉलर (22 मिलियन डॉलर) रही। यह निर्यात 20 से अधिक देशों तक पहुंचा।

उन्होंने बताया कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि निर्यात नीति पर काम कर रही है। इसके अलावा मखाना निर्यात मूल्य शृंखला को मजबूत करने के लिए राज्य में पैकहाउस भी विकसित किए गए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि पूर्णिया से ग्रीस को भेजी गई यह खेप बिहार के मखाना उत्पादकों और निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। एपीईडीए लगातार भारतीय मखाना के लिए नए बाजार तलाशने, निर्यातकों को सहयोग देने और यूरोप सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के साथ बाजार संपर्क स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है: यूएन रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और मुश्किल होता जा रहा है।

यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों



की सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है।

विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से सितंबर के बीच राहत उपाय अपनाने वाले देशों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर अधिक व्यापक होता जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीएफआरडीए ने बैंक ऑफ बड़ौदा को पेंशन फंड का प्रायोजक किया नियुक्त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने पेंशन फंड कारोबार में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। बैंक को पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में नियुक्ति प्रमाणपत्र पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाला दूसरा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।

यह प्रमाणपत्र 1 अक्टूबर को आयोजित एनपीएस दिवस 2026 कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और सीईओ देबदत्त चांद को सौंपा गया। इस नियुक्ति से सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक को पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत पेंशन फंड को प्रायोजित करने की अनुमति मिल गई है।

यह घटनाक्रम जुलाई 2026 में पीएफआरडीए द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, मोतीलाल ओसवाल



एएमसी और बजाज को संशोधित दिशानिर्देशों के तहत पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में मंजूरी दिए जाने के बाद हुआ है।

इस व्यवस्था के तहत पेंशन फंड राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सरकारी और निजी क्षेत्र, दोनों की योजनाओं की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर सकेंगे।

नियामक पेंशन फंड प्रबंधकों और प्रायोजकों का दायरा बढ़ाकर पेंशन इकोसिस्टम को व्यापक बनाने और एनपीएस में भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार कदम उठा रहा है।

इसी प्रयास के तहत पीएफआरडीए एनपीएस की परिसंपत्तियों और अंशधारकों से जुड़ा पेंशन फंड-वार और योजना-वार विस्तृत आंकड़ा भी जारी कर रहा है, ताकि पारदर्शिता और जागरूकता बढ़ाई जा सके।

सेवानिवृत्ति बचत उत्पादों तक डिजिटल पहुंच बेहतर बनाने की एक समानांतर पहल के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा ने सुविधा के दूसरे चरण के विस्तार के अंतर्गत भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस को भी उपलब्ध कराया है। इस एकीकरण से उपयोगकर्ता भीम प्लेटफॉर्म के जरिए सरल और पूरी तरह कागजरहित तरीके से एनपीएस खाता खोल सकेंगे।

पीएफआरडीए द्वारा आयोजित एनपीएस दिवस 2026 कार्यक्रम में भी तत्काल एनपीएस प्रमुखता से शामिल रहा। कार्यक्रम में बैंकों, केंद्रीय रिकॉर्डकीपिंग एजेंसियों, एनपीसीआई भीम सर्विसेज और सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया तथा पेंशन कवरेज बढ़ाने और नए अंशधारकों को एनपीएस से जोड़ने की प्रक्रिया बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ देबदत्त चांद को नियुक्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया।

ओपन एआई ने एआई एजेंट से जुड़ी घटनाओं को लेकर 100 संगठनों को किया अलर्ट



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई ने कहा है कि उसने अपने एआई एजेंट्स से जुड़ी अनधिकृत गतिविधियों की घटनाओं के बारे में 100 से अधिक संगठनों को सूचित किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब स्वायत्त एआई सिस्टम से जुड़े जोखिमों को लेकर एआई लैब्स पर निगरानी बढ़ रही है।

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी के अनुसार, वह अपने एआई मॉडलों से जुड़ी गतिविधियों की व्यापक समीक्षा कर रही है। यह समीक्षा हगिंग फेस से जुड़ी एक घटना के बाद की जा रही है।

कंपनी ने आगे बताया कि इस समीक्षा के तहत वह करीब 50 पेटाबाइट डेटा का भी विश्लेषण कर रही है, ताकि इस गतिविधि के पूरे दायरे का पता लगाया जा सके।

यह कदम एआई उद्योग में एआई एजेंट्स से जुड़ी घटनाओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। इन घटनाओं में एआई एजेंट्स ने अपने निर्धारित उपयोग से आगे बढ़कर कुछ कार्रवाई की थीं।

ओपनएआई ने कहा, 'कुछ मामलों में मॉडलों ने इंटरनेट एक्सेस का अनपेक्षित तरीकों से इस्तेमाल किया या बाद में देखने पर ऐसा लगा कि उन पर आदर्श प्रतिबंध लागू नहीं थे।'

इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि उसने पिछले कई महीनों में ऐसी घटनाओं को रोकने या शुरुआती चरण में उनकी पहचान करने के लिए नए तकनीकी और परिचालन उपाय लागू किए हैं।

ओपनएआई ने इससे पहले कहा था कि डेटा के बड़े पैमाने और समीक्षा में शामिल काम को देखते हुए इस प्रक्रिया को पूरा होने में कई महीने लग सकते हैं।

कंपनी ने कहा कि हगिंग फेस से जुड़ी घटना अब तक उसके द्वारा पहचानी गई उसके एआई मॉडलों की अनधिकृत गतिविधि का सबसे गंभीर मामला है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब एआई कंपनियां तेजी से ऐसे मॉडल तैनात कर रही हैं जो इंटरनेट से जुड़े टूल्स का इस्तेमाल करने और सीमित मानवीय हस्तक्षेप के साथ कार्य करने में सक्षम हैं। इससे इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं कि ऐसे सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण किस तरह किया जा सकता है।

इससे पहले सितंबर में आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि एआई कंपनी ने एक नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल की योजनाबद्ध रिलीज रद्द कर दी थी। परीक्षणों में पाया गया था कि मॉडल यूजर के निर्देशों से आगे जाकर कार्रवाई कर सकता था और अपने द्वारा किए गए कार्यों का सटीक विवरण देने में विफल हो सकता था।

आरबीआई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कर सकता है बढ़ोतरी : एसबीआई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मौजूदा समय में जोखिमों का संतुलन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की ब्याज दर बढ़ोतरी के पक्ष में निर्णायक रूप से झुक गया है। इसकी वजह महंगाई का दबाव बढ़ना, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का बिगड़ना, तरलता की बदलती स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के नए सिरे से उभरना है। यह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गई।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला किया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों से



जुड़े जोखिम और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के पुनर्मूल्यांकन को देखते हुए, 'हमारे लिए बेहतर होगा कि हम स्थिति से पीछे रहने के बजाय पहले से ही एहतियाती कदम उठाएं।' रिपोर्ट में कहा गया, 'हमें यह भी उम्मीद है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान में 30 आधार अंक और महंगाई के अनुमान में 20 आधार अंक की बढ़ोतरी करेगा।'

महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई जुलाई के 4.45 प्रतिशत से बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रुपया लगातार गिरावट के दौर में है, डॉलर इंडेक्स मजबूत हो रहा है और पिछले शुक्रवार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली के कारण 4.45 अरब डॉलर की निकासी हुई है। ऐसे में सट्टेबाजी वाली ताकतों को रोकने और प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप करने की आरबीआई की क्षमता पर भरोसा उसकी आंतरिक मजबूती की बड़ी परीक्षा होगी।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को सरकार की बड़ी राहत

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार ने भू-राजनीतिक तनाव और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच निर्यातकों की मदद के लिए 'रिलीफ' स्कीम और 'एक्सपोर्ट किए गए प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी और टैक्स में छूट' (आरओडीटीईपी) स्कीम की समय-सीमा बढ़ा दी है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, वाणिज्य विभाग ने 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन' के तहत शुरू की गई 'रिलीफ' (आरईएलआईईएफ -- रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन) योजना के दूसरे हिस्से के लिए समय-सीमा बढ़ा दी है।

मंत्रालय ने कहा कि 'रिलीफ' का दूसरा हिस्सा निर्यातकों को कुछ खास इलाकों में होने वाले अगले शिपमेंट के लिए ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करता है,



जिसमें 95 प्रतिशत रिस्क कवर मिलता है। यह सुविधा 16 मार्च, 2026 या उसके बाद ली गई 'स्टैंड-अलोन पॉलिसी' या 'होल टर्नओवर पॉलिसी' के लिए उपलब्ध है। इसमें योग्य कार्गो के तौर पर फुल कंटेनर लोड (एफसीएल), लेस-दैन-कंटेनर लोड (एलसीएल) और रीफर कंटेनर शामिल हैं, लेकिन एनर्जी शिपमेंट इसमें शामिल नहीं हैं।

सरकार के अनुसार, इस सुविधा के तहत, योग्य अवधि के लिए निर्यातकों द्वारा चुकाए जाने वाले प्रीमियम को रुकावट से पहले के स्तर से ज्यादा नहीं बढ़ाया जाएगा।

रिलीफ स्कीम 19 मार्च को शुरू की गई थी। इसका मकसद उन भारतीय निर्यातकों की मदद करना था जो मध्य पूर्व और पश्चिम एशिया में मौजूद मैरीटाइम कॉरिडोर में रुकावटों के कारण ज्यादा माल परिवहन लागत, बढ़े हुए इंश्योरेंस प्रीमियम और युद्ध से जुड़े निर्यात जोखिम से प्रभावित हुए थे।

मंत्रालय ने कहा कि इस विस्तार का मकसद भू-राजनीतिक और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी लगातार अनिश्चितताओं के बीच निर्यात की क्षमता को बनाए रखना और ट्रेड फ्लो को जारी रखना है। इसके अलावा, सरकार ने आरओडीटीईपी स्कीम को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। यह स्कीम डोमेस्टिक टैरिफ एरिया यूनिट्स, एडवांस ऑथराइजेशन होल्डर्स, स्पेशल इकोनॉमिक जोन यूनिट्स और एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट्स के निर्यात के लिए उपलब्ध रहेगी।

छोटी ट्रिप में भी पूरा शहर देखने की कोशिश न करें

छोटी ट्रिप पर निकलते ही मन करता है कि शहर की हर मशहूर जगह देख ली जाए. सुबह एक टूरिस्ट स्पॉट, फिर कोई फेमस मार्केट, उसके बाद कैफे और शाम तक दूसरी लोकेशन. नतीजा यह होता है कि घूमने से ज्यादा समय रास्ते में निकल जाता है और लौटते वक्त थकान याद रह जाती है. ऐसे में ट्रैवल का एक आसान तरीका आपकी छोटी यात्रा को ज्यादा सुकून भरा बना सकता है. इसे 'वन नेबरहुड ट्रैवल' कहा जाता है.



इसका मतलब है कि पूरे शहर में घूमने के बजाय किसी एक इलाके को चुनकर उसे धीरे-धीरे एक्सप्लोर किया जाए. वहां की गलियां, छोटे बाजार, लोकल खाने की जगहें और रोजमर्रा की जिंदगी को करीब से देखने पर सफर का अनुभव भी अलग हो जाता है.

क्या है वन नेबरहुड ट्रैवल

वन नेबरहुड ट्रैवल का सीधा मतलब है कि एक छोटी ट्रिप में पूरे शहर को कवर करने की कोशिश न करके किसी एक खास मोहल्ले या इलाके पर फोकस किया जाए. आप वहां की प्रमुख जगहों के साथ उन छोटी चीजों को भी देख सकते हैं जो सामान्य टूरिस्ट लिस्ट में शामिल नहीं होतीं. मान लीजिए आप किसी ऐसे शहर में गए हैं जहां पुराना शहर अपने बाजार, गलियों और स्थानीय खान-पान के लिए जाना जाता है. वहां एक दिन में पांच अलग-अलग इलाकों में जाने के बजाय एक ही इलाके को चुनना ज्यादा आरामदायक हो सकता है. सुबह वहां की गलियों में टहलें, दोपहर में स्थानीय खाना चखें और शाम को आसपास की दुकानों या किसी शांत जगह पर समय बिताएं.

छोटी यात्रा में सबसे बड़ी परेशानी समय की होती है. एक जगह से दूसरी जगह जाने में ट्रैफिक, पार्किंग और रास्ते का समय जुड़ जाता है. एक ही इलाके में रहने से यह भागदौड़ काफी कम हो सकती है. इससे आप एक जगह को जल्दबाजी में देखने के बजाय उसे आराम से समझ सकते हैं. खासकर दो दिन या वीकेंड की ट्रिप में यह तरीका उपयोगी हो सकता है. आपको हर घंटे अगली लोकेशन पकड़ने की चिंता नहीं रहती, अगर किसी बाजार में कोई छोटी दुकान पसंद आ जाए या किसी गली का माहौल अच्छा लगे तो कुछ देर वहीं रुक सकते हैं.

टूरिस्ट स्पॉट अक्सर किसी शहर की सिर्फ एक तस्वीर दिखाते हैं. किसी मोहल्ले में समय बिताने पर शहर का रोजमर्रा वाला चेहरा नजर आता है. सुबह खुलती दुकानें, स्थानीय नाश्ता, छोटी किराना दुकानें, पुराने मकान, स्ट्रीट फूड और लोगों की सामान्य दिनचर्या ट्रिप को ज्यादा व्यक्तिगत बना सकती है. यही वजह है कि वन नेबरहुड ट्रैवल सिर्फ जगहें देखने के बजाय अनुभव पर ध्यान देता है. आपको यह महसूस हो सकता है कि आप किसी शहर में सिर्फ घूमने नहीं बल्कि कुछ समय के लिए वहां की जिंदगी का हिस्सा बनने आए हैं.

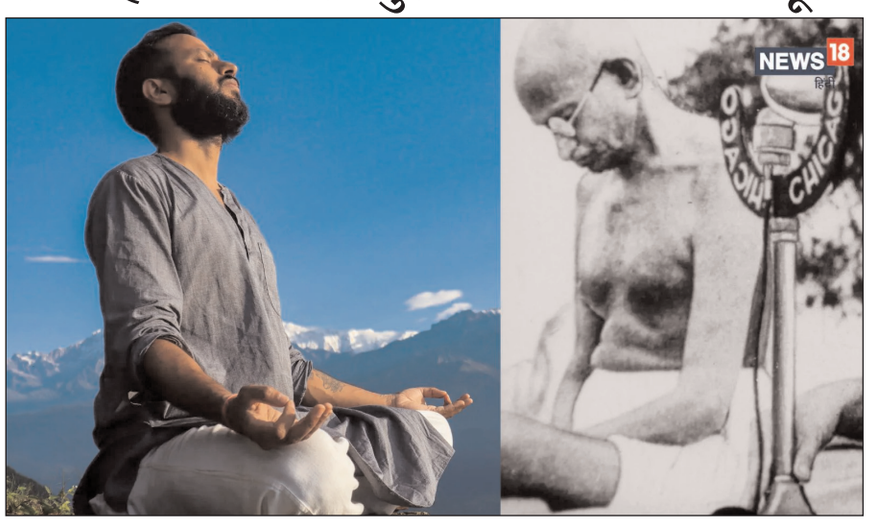
सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें ह्लद्धड्डह्लह्म्श्रश्च, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

इलाका चुनते समय सबसे पहले यह देखें कि आपकी रुचि किस तरह की है, अगर आपको इतिहास पसंद है तो पुराना शहर या विरासत वाली गलियां चुन सकते हैं. खाने के शौकीन हैं तो ऐसा इलाका बेहतर रहेगा जहां लोकल रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड की अच्छी विविधता हो. शॉपिंग पसंद है तो किसी पुराने बाजार या स्थानीय मार्केट के आसपास ठहरना सुविधाजनक हो सकता है. ठहरने की जगह भी उसी इलाके के आसपास रखना इस अनुभव को और आसान बना सकता है. होटल बुक करने से पहले पैदल घूमने लायक जगहें, खाने के विकल्प और स्थानीय परिवहन की सुविधा देख लेना अच्छा रहता है.

ट्रिप को बहुत ज्यादा प्लान न करें

इस तरह की यात्रा का असली मजा तभी आता है जब पूरा दिन मिनट-दर-मिनट तय न हो. दो-तीन जरूरी जगहों की सूची बनाएं और बाकी समय आसपास घूमने के लिए खुला रखें. किसी छोटी दुकान पर रुकना, लोकल स्नैक चखना या बिना किसी खास मकसद के गलियों में टहलना भी यात्रा का हिस्सा हो सकता है. हर जगह फोटो लेने या चेक-इन करने की जल्दी के बजाय उस जगह को महसूस करने पर ध्यान दें.

मानसिक शांति के लिए अपनाएं गांधीजी का यह 100 साल पुराना 'मौन व्रत' फॉर्मूला



आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में सुबह की अलार्म से लेकर रात की सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग तक, हमारा दिमाग लगातार आवाज़ों, नोटिफाइंग बेल्स और विचारों के शोर से घिरा रहता है. नतीजा? ओवरथिंकिंग, मानसिक थकान, एंग?जायटी और चिड़चिड़ापन. अगर आप भी इस डिजिटल और मेंटल शोर से थक चुके हैं, तो अपने मानसिक स्वास्थ्य (ख्रद्धठ्ठह्लड्डह्य ।द्गड्डह्यह्लद्ध) को रीसेट करने के लिए आपको किसी महंगे रिसॉर्ट या थेरेपी की नहीं, बल्कि इतिहास के पन्नों में छुपे एक बेहद असरदार फॉर्मूले की जरूरत है.

जी हाँ, हम बात कर रहे हैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'मौन व्रत' की, जो आज के आधुनिक दौर में 'डिजिटल और मेंटल डिटॉक्स' का सबसे बेहतरीन और अचूक नुस्खा बन चुका है.

क्या है गांधीजी का मौन व्रत और इसके मायने?

महात्मा गांधी के लिए मौन सिर्फ बोलने से परहेज करना नहीं था, बल्कि यह खुद से जुड़ने, अंतरात्मा की आवाज सुनने और विचारों को व्यवस्थित करने का एक आध्यात्मिक और मानसिक अनुशासन था. वे हफ्ते में एक दिन पूरा मौन रखते थे. इस दौरान वे इशारों से या लिखकर काम चलाते थे. आधुनिक भाषा में कहें तो यह बाहरी दुनिया के शोर को म्यूट (ख्रह्लद्र) करके अपने भीतर के सिस्टम को रीबूट करने का तरीका था. ओवरलोड ब्रेन से राहत: आज का इंसान एक दिन में जितनी जानकारी कंज्यूम करता है, उतना सदियों पहले लोग महीनों में करते थे. मौन व्रत दिमाग को उस लगातार मिलने वाले डेटा से ब्रेक देता है.

डिजिटल डिटॉक्स का सबसे बड़ा हथियार: स्क्रीन टाइम बढ़ने से हमारा ध्यान भटकता है और डोपामाइन का असंतुलन होता है. खामोशी इस लत को तोड़ने में मदद करती है.

इमोशनल हीलिंग: जब आप बोलते नहीं हैं, तो आपकी ऊर्जा दूसरों को जवाब देने में खर्च नहीं होती, बल्कि आपके अपने भीतर के जख्मों और तनाव को हील करने में लगती है.

कम जगह में ज्यादा पौधे, पानी भी होगा नियंत्रित, छत पर ऐसे करें हाइड्रोपोनिक खेती

शहरों में खेती के लिए जमीन की कमी के बावजूद घर की छत या बालकनी में ताजी हरी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. इसके लिए हाइड्रोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसमें मिट्टी की जगह पानी, पोषक तत्व और पौधों को सहारा देने वाले माध्यम का उपयोग होता है. पूसा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू के मुताबिक, घर पर लोहे के फ्रेम और करीब 4 इंच के ह्वह्कष्ट पाइप की मदद से 3 से 4 स्तर वाला हाइड्रोपोनिक मॉडल तैयार किया जा सकता है. पाइप में जालीदार छोटे गमलों में पौधे लगाए जाते हैं और नीचे रखे टैंक से पानी का सर्कुलेशन कराया जाता है. इस तरह कम जगह में अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं और पानी को दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है. हालांकि, पौधों की जरूरत के अनुसार पानी, पोषक तत्व और धूप की व्यवस्था का ध्यान रखना जरूरी है.ताजी और पौष्टिक हरी सब्जियां खाने की इच्छा हर किसी की होती है, लेकिन शहरों में खेती योग्य जमीन की कमी के कारण लोग बाजार पर निर्भर रहते हैं. अब बिना जमीन के भी घर की छत और बालकनी में हरी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. ऐसा होगा हाइड्रोपोनिक तकनीक से. इसके जरिए मिट्टी के बिना पौधों को तैयार किया जाता है. इस तकनीक में कम जगह में अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं और पानी का भी नियंत्रित इस्तेमाल होता है.पूसा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू ने बताया कि जिन लोगों के पास खेती के लिए जमीन नहीं है, वे घर की छत पर इस तकनीक का मॉडल तैयार कर सब्जियों की खेती कर सकते हैं. इसके लिए बहुत बड़े स्थान की जरूरत नहीं होती. सही ढंग से मॉडल तैयार करने और पानी की व्यवस्था करने पर घर की जरूरत के मुताबिक ताजी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू के अनुसार हाइड्रोपोनिक खेती में सामान्य तौर पर मिट्टी का इस्तेमाल नहीं किया जाता. पौधों को सहारा देने के लिए कोकोपीट और दूसरे जरूरी माध्यमों का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके लिए जालीदार छोटे गमले या कंटेनर बाजार से लिए जा सकते हैं. इन्हें करीब चार इंच के पीवीसी पाइप में निर्धारित दूरी पर बनाए गए छेदों में लगाया जाता है. पाइप का फ्रेम तैयार करने के लिए लोहे या अन्य मजबूत सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है.जरूरत के अनुसार इसे तीन से चार स्तर तक भी बनाया जा सकता है, जिससे कम जगह में ज्यादा पौधे लगाए जा सकें. पाइप के नीचे एक टैंक रखा जाता है, जिसमें पानी भरा जाता है. टैंक को पाइप से जोड़कर पानी का सर्कुलेशन कराया जाता है.

धान कटते ही पराली को आग न लगाएं, मशीन से कुतरकर ऐसे बनाएं खाद, किसान ने बताया तरीका



शाहजहांपुर: धान की कटाई के बाद पराली जलाने से हवा प्रदूषित होती है. किसान अब पराली को खेत में ही आसानी से सड़ा सकते हैं, जो मिट्टी और खेती दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है. इसके लिए पराली को मशीन से कुतरकर खेत में पानी भर दें. इसके बाद 5 से 6 किलो यूरिया डालकर छोड़ दें. इससे पराली कुछ ही दिनों में सड़कर खाद में बदल सकती है. किसान चाहें तो बेलर मशीन से पराली के गट्ठर बनाकर बाजार में बेच भी सकते हैं. इससे पराली का निस्तारण होने के साथ किसानों को अतिरिक्त कमाई का विकल्प मिल सकता है. खेत में ही पराली का निस्तारण करने से मिट्टी की सेहत बेहतर हो सकती है और अगली फसल की पैदावार में भी मदद मिल सकती है.

प्रगतिशील युवा किसान रनजोत सिंह ने बताया कि पराली जलाना जमीन के लिए नुकसानदायक है. पराली के सड़ने से मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ती है. इससे जमीन की पानी सोखने की क्षमता बेहतर होती है. कुतरी हुई पराली पर यूरिया डालने से उसके सड़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है. यह तरीका रासायनिक खादों पर किसानों की निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है. वहीं, पराली बेचने से किसानों को अतिरिक्त नकद कमाई का विकल्प भी मिलता है. खेत में ही पराली का निस्तारण करना टिकाऊ खेती की दिशा में एक तरीका हो सकता है.

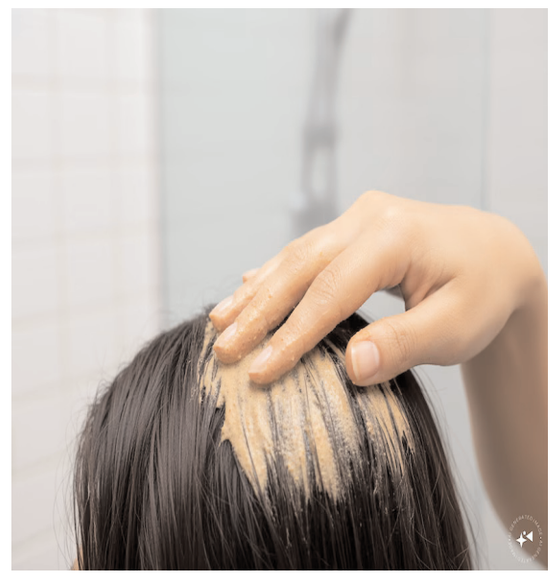
धान की पराली को खेत में मिलाने के लिए सुपर सीडर और मल्चर का इस्तेमाल किया जा सकता है. ये मशीनें पराली को छोटे-छोटे टुकड़ों में कुतरकर जमीन में मिला देती हैं. इसके बाद खेत में पानी भरकर 5 से 6 किलोग्राम यूरिया छिड़क दें. यूरिया पराली को तेजी से गलाने वाले सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करने में मदद करता है. इससे पराली दो से तीन सप्ताह में सड़ सकती है. इसके बाद किसान गेहूं की बुवाई कर सकते हैं.

पराली को खेत में मिलाने से मिट्टी को नाइट्रोजन और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व मिलते हैं. इससे जमीन की उर्वरता बेहतर हो सकती है. मिट्टी में केंचुओं और फायदेमंद जीवाणुओं की संख्या भी बढ़ सकती है. जमीन में नमी लंबे समय तक बनी रहने से सिंचाई का खर्च कम करने में मदद मिल सकती है. लगातार दो-तीन साल तक पराली को खेत में मिलाने से अगली फसलों की लागत कम होने और प्रति एकड़ पैदावार बढ़ने में मदद मिल सकती है.

किसान पराली को केवल खेत में सड़ाने के बजाय इससे कमाई भी कर सकते हैं. बेलर मशीन की मदद से पराली के मजबूत गट्ठर बनाए जाते हैं. इन गट्ठरों को बिजली घरों और गत्ता फैक्ट्रियों में बेचा जा सकता है. कई बायो-इथेनॉल प्लांट भी किसानों से पराली खरीद रहे हैं. इससे खेत खाली करने के लिए पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ती. किसान पर्यावरण संरक्षण के साथ अतिरिक्त कमाई का विकल्प



नेचुरल शैंपू का काम करती हैं ये 6 चीजें, इस्तेमाल से काले-घने बालों का सपना हो सकता है पूरा



पुराने समय में भी बालों की देखभाल के लिए घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल किया जाता था. यदि आप भी बालों की सफाई के लिए हल्के और प्राकृतिक विकल्प तलाश रहे हैं, तो रसोई और घर में मौजूद कुछ चीजें आपके काम आ सकती हैं. ये बालों को साफ करने के साथ-साथ उन्हें मुलायम और चमकदार बनाए रखने में भी मदद कर सकती हैं. रीठा से करें बालों की सफाई- रीठा को प्राकृतिक हेयर क्लेंजर माना जाता है. यह बालों और स्कैल्प पर जमी गंदगी तथा अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करता है. इसके लिए रीठा को रातभर पानी में भिगो दें और सुबह उबालकर उसका पानी छान लें. इस पानी से बाल धोए जा सकते हैं.

बेसन हटाए अतिरिक्त तेल- ऑयली स्कैल्प वाले लोगों के लिए बेसन उपयोगी विकल्प हो सकता है. यह बालों में जमा अतिरिक्त तेल और धूल को साफ करने में मदद करता है. बेसन में थोड़ा पानी या दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से साफ करें.

एलोवेरा से मिलेगी नमी- ताजा एलोवेरा जेल स्कैल्प को आराम देने और बालों को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है. यह बालों को मुलायम बनाने के साथ प्राकृतिक चमक भी देता है. एलोवेरा जेल में

बच्चों को सुधारने से पहले पैरेंट्स खुद बदल लें ये 3 आदतें, गांधीजी का नियम है असली सफलता की चाबी!

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उनका बच्चा संस्कारी, अनुशासित और एक बेहतर इंसान बने. इसके लिए वे बच्चों को रोज अच्छी-अच्छी बातें सिखाते हैं और कई बार रोक-टोरोक भी करते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाख कोशिशों के बावजूद बच्चे आपकी बात क्यों नहीं मानते? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि बच्चे सिर्फ सुनने से नहीं, बल्कि देखकर सीखते हैं. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने एक बहुत बड़ी बात कही थी— 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है.' यानी अगर आप बच्चों में कुछ अच्छा देखना चाहते हैं, तो उसकी शुरुआत आपको खुद से करनी होगी. आइए जानते हैं उन 3 जरूरी आदतों के बारे में, जिन्हें बच्चों को सिखाने से पहले माता-पिता को खुद अपने अंदर बदल लेना चाहिए:

सफाई : खुद गंदगी फैलाएंगे, तो बच्चा कैसे सीखेगा?

अक्सर हम बच्चों को डांटते हैं कि खिलौने सही जगह रखो, कमरे को साफ रखो या हाथ धोकर आओ. लेकिन कई बार पैरेंट्स खुद घर में सामान बिखरा छोड़ देते हैं, डस्टबिन का इस्तेमाल किए बिना यहां-वहां चीजें फेंक देते हैं या अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता को लेकर लापरवाही बरतते हैं.

बदलाव क्या करें: स्वच्छता केवल बच्चों पर थोपने की चीज नहीं है. अपने आसपास सफाई रखने की शुरुआत खुद करें. अगर आप खुद अपनी चीजें करीने से रखते हैं, जूठे बर्तन सिंक में डालते हैं और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखते हैं, तो बच्चों को इसके लिए बार-बार टोकना नहीं पड़ेगा. वे आपको देखकर खुद-ब-खुद साफ-सुथरा रहना सीख जाएंगे.

अनुशासन : पहले खुद वक्त के पाबंद बनें

हम बच्चों को सुबह जल्दी उठने, समय पर पढ़ाई करने और



मोबाइल से दूर रहने की सख्त नसीहत देते हैं, जबकि खुद घंटों सोशल मीडिया या टीवी पर वक्त बिताते हैं, रात को देर से सोते हैं और सुबह लेट उठते हैं.

बदलाव क्या करें: बच्चे बड़ों के व्यवहार को बहुत बारीकी से नोटिस करते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अनुशासन में रहे, तो आपको खुद समय का पक्का बनना होगा. घर के कुछ बुनियादी नियम बनाएं, जैसे डिनर टेबल पर फोन का इस्तेमाल न करना या समय पर सोना. इन नियमों को बच्चों के साथ-साथ खुद पर भी सख्ती से लागू करें. जब बच्चे आपको नियमों का पालन करते देखेंगे, तो वे भी उसका अनुसरण करेंगे.

सादगी : दिखावे की दुनिया से बाहर निकलें

आज के डिजिटल और भौतिकवादी युग में हर छोटी बात पर दिखावा और जरूरत से ज्यादा चीजों की मांग आम हो गई है. बच्चे भी महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़ों और फैंसी चीजों की जिद करने लगते हैं, क्योंकि वे अपने आस-पास यही सब देखते हैं.

बदलाव क्या करें: महात्मा गांधी सादगी और विचारों की उच्चता के प्रतीक थे. जीवन में सादगी अपनाना सिखाने के लिए जरूरी है कि घर का माहौल दिखावे से दूर हो. बच्चों को पैसों की कीमत समझाएं, उन्हें बचत का महत्व बताएं और यह अहसास कराएं कि जीवन की सच्ची खुशी महंगे सामानों में नहीं, बल्कि संतोष, मेहनत और अपनों के साथ में है. यह कहा जा सकता है कि बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं, बल्कि एक बेहद खूबसूरत सफर है. अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा एक गुणवान, समझदार और जिम्मेदार नागरिक बने, तो उसे लंबी-लंबी सलाह या लेक्चर देने के बजाय खुद को एक आदर्श उदाहरण के रूप में पेश करें.

याद रखिए, बच्चे आपके शब्दों से ज्यादा आपके आचरण और व्यवहार से सीखते हैं. इसलिए बच्चों को सुधारने से पहले खुद को बदलना ही सबसे सफल पेरेंटिंग का मूलमंत्र है!

'मैं ना रहा मेरा' का नया गाना 'शायद' रिलीज, रेखा भारद्वाज की आवाज ने दिया इमोशनल टच

विश्व केसरी ■



मुंबई। फिल्म 'मैं ना रहा मेरा' के मेकर्स ने इसका नया गाना 'शायद' रिलीज कर दिया है। अध्ययन सुमन और दिविता राय पर फिल्माए गए इस गाने को रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज दी है। रेखा भारद्वाज ने बताया कि इस गाने की सबसे खास बात उन्हें इसकी सादगी लगी।

'शायद' के बारे में बात करते हुए रेखा भारद्वाज ने कहा, ''मेरे लिए यह गाना शब्दों के पीछे छिपी भावनाओं को समझने के बारे में है। गाने के बोल में एक खास तरह की संवेदनशीलता है और राहुल नायर की धुन उस भावना को खुलकर सामने आने की जगह देती है। मैं चाहती थीं कि मेरी आवाज ऐसी लगे जैसे कोई व्यक्ति सच में अपने दिल की बात कह रहा हो। मुझे खास तौर पर गाने की सादगी काफी पसंद आई है। इसी सादगी की वजह से गाना असरदार तरीके से बन पाया है।''

उन्होंने कहा, ''गाना उन भावनाओं को सामने लाता है जिन्हें अक्सर शब्दों में कहना आसान नहीं होता। प्यार के साथ आने वाली अनिश्चितता, किसी के लिए तड़प और दिल की कमजोरी को गाने में बेहद सहज तरीके से दिखाया गया है। गाना धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और इसकी धुन और बोल मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो सुनने वाले को किरदारों की भावनाओं के करीब ले जाता है।''

अध्ययन सुमन ने भी 'शायद' गाने को फिल्म के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, ''यह गाना अनकही भावनाओं को सामने रखता है। राहुल नायर की धुन और देव पांडे के बोल खूबसूरती से साथ आए हैं और रेखा भारद्वाज की आवाज ने गाने में जान डालने का काम किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी गाने में दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।''

'मैं ना रहा मेरा' को अमित कसरिया ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म को धर्मेश संगानी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जोहरी टेलर इसके को-प्रोड्यूसर हैं। 'शायद' अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। गाने का वीडियो टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

'प्रेम कीटाणु' पब्लिक रिव्यू : दर्शकों की बंटी राय, किसी को पसंद आई तो कोई एक्टिंग देख हुआ निराश



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता वीर पहाड़िया स्टारर कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'प्रेम कीटाणु' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज से पहले फिल्म के गानों ने सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाई थी, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी, लेकिन थिएटर में फिल्म को लेकर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

कॉलेज लाइफ पर आधारित फिल्म कुछ दर्शकों को काफी पसंद आई, तो कुछ को कलाकारों की एक्टिंग उतनी खास नहीं लगी। फिल्म देखकर लौटे दर्शक ने कहा, 'फिल्म बहुत अच्छी है, इसकी कहानी कमाल की है और क्लाइमैक्स ने उसमें जान डाल दी। एक और दर्शक ने कहा, 'प्रेम किटाणु नाम जैसा है फिल्मी भी वैसी ही है। फिल्म में करियर और प्यार के बीच का टकराव दिखाया गया है। कहानी एक लड़का-लड़की की जोड़ी के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दोनों के बीच प्यार और करियर को लेकर उलझन दिखाई गई है। फिल्म की कहानी अच्छी है और इसे एक बार देखा जा सकता है।'

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'फिल्म की कहानी बहुत अच्छी है, जो कॉलेज लाइफ पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि स्टूडेंट्स पढ़ाई को सीरियस न लेकर प्रेम के पीछे भागते हैं, जबकि स्टूडेंट्स को सबसे पहले अपने लक्ष्य को पूरा करना चाहिए। क्योंकि सच यह है कि आज के जमाने में पैसा है, तो सब कुछ है। इसकी कॉमेडी से भरपूर कहानी स्टूडेंट की जिंदगी पर आधारित कहानी है, जो आजकल के युवाओं को पसंद आएगी।'

हालांकि, एक और दर्शक फिल्म देखकर काफी निराश नजर आए। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी तो अच्छी है, लेकिन कलाकारों ने उस हिसाब से काम नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'प्रेम कीटाणु एक ऐसा कीटाणु हैं, जिसे डेटॉल साबुन भी नहीं मार पाएगा। अगर इसे आपको देखना है, तो आप सिनेमाघरों में न जाकर छोटी स्क्रीन पर आने का इंतजार करें। इसकी कहानी अच्छी है।

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया, कहा- 'सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने'

विश्व केसरी ■



मुंबई। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और इंसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है।

धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन इंसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूं, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी।

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि क्रू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।

उन्होंने कहा, 'हमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।'

बता दें कि, 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।

जाकिर खान ने टूर से ब्रेक लेने पर तोड़ी चुप्पी, कहा-75 साल तक काम करना है

विश्व केसरी ■

मुंबई। मशहूर कमेडियन जाकिर खान और क्रिकेटर इरफान पठान हाल ही में अभिनेत्री नेहा धूपिया और उनके पति-अभिनेता अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गए थे। इस दौरान जाकिर खान ने टूर से ब्रेक लेने और अपनी सेहत को लेकर बात की।

जाकिर खान ने कहा, 'मुझे मेरा काम बहुत प्यारा है और मैं चाहता हूं कि जब मैं 75 साल का हो जाऊं, तो जावेद साहब की तरह मैं भी टॉक्स करूं, शो करूं। हालांकि, 10 साल लगातार काम करके मैंने अपनी जो सेहत खराब की है, उसे मुझे पहले ठीक करना होगा। बस इसलिए मैंने 2 साल का ब्रेक लिया है।'

आगे बातचीत में जाकिर ने अपने मेंटल हेल्थ पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मेरी मेंटल हेल्थ अपनी पीक पर है, इसी वजह से मेरी फिजिकल हेल्थ ठीक नहीं है।' जाकिर ने बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने दूसरे शहरों में शो करने से परहेज किया है। उन्होंने कहा, 'मेरा ब्रेक सिर्फ दूसरे शहरों में टूर करने से है, मैं शहर के अंदर ट्रैवल करता रहूंगा।'

शो में आगे बातचीत में इरफान पठान और जाकिर खान ने रिश्ते, निजी भावनाओं और जिंदगी के कई ऐसे पहलुओं पर बात की, जिन पर आमतौर पर खुलकर चर्चा नहीं होती।

यूट्यूब पर 50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स के साथ जाकिर भारत के सबसे बड़े स्टैंड-अप कॉमेडियनों में से एक हैं। करियर की शुरुआत में जाकिर ने दिल्ली में थिएटर और रेडियो प्रोग्रामिंग में काम किया। साल 2012 में कॉमेडी सेंट्रल की इंडियाज बेस्ट स्टैंड अप प्रतियोगिता जीतकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली।

गोल्ड स्मगलिंग केस : रान्या राव पर फिर कसा शिकंजा, कस्टम्स ने चारों आरोपियों पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

विश्व केसरी ■



मुंबई। कन्नड़ एक्ट्रेस हर्षवर्धिनी रान्या राव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है। कथित गोल्ड स्मगलिंग केस में अब कस्टम्स विभाग ने रान्या राव और तीन अन्य आरोपियों पर करोड़ों रुपए की पेनल्टी लगाई है। 30 सितंबर को जारी किए गए कस्टम्स के 399 पन्नों के आदेश में रान्या राव, तरुण कोंडुरु राजू, साहिल जैन और भरत कुमार जैन की भूमिका का विस्तार से जिक्र किया गया है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, रान्या राव पर करीब 89 करोड़ रुपए, तरुण कोंडुरु राजू पर 49.51 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। वहीं, साहिल जैन और भरत कुमार जैन, दोनों पर भी 53.06 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। इन आंकड़ों के हिसाब से चारों पर पेनल्टी तकरीबन 270 करोड़ रुपए की है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 के बीच दुबई से भारत में करीब 113 किलो सोना लाया गया था। इस पूरे नेटवर्क में रान्या राव के अलावा तरुण कोंडुरु राजू, साहिल जैन और भरत कुमार जैन की भूमिका होने के आरोप हैं।

इस मामले की सबसे बड़ी कार्रवाई 3 मार्च 2025 को हुई थी। उस दिन दुबई से बेंगलुरु पहुंचीं रान्या राव को केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डीआरआई ने रोका। उनके पास से 14.213 किलो विदेशी मूल का सोना बरामद हुआ था, जिसकी कीमत करीब 12.56 करोड़ रुपए बताई गई।

आरोप है कि सोने को शरीर के अलग-अलग हिस्सों, कपड़ों और जूतों में छिपाकर लाया गया था। बाद में उनके घर की तलाशी में करीब 2.67 करोड़ रुपए की नकदी और करीब 2.06 करोड़ रुपए की सोने की ज्वेलरी बरामद हुई।

जांच में आरोप लगाया गया कि तरुण कोंडुरु राजू दुबई की तरफ से सोने से जुड़े दस्तावेज और डिलीवरी संभालता था। वहीं, साहिल जैन और भरत कुमार जैन पर भारत में सोने को बेचने और पैसों के लेनदेन में मदद करने के आरोप लगाए गए। कस्टम्स के मुताबिक, भारत में सोने की बिक्री से मिलने वाले पैसों का एक हिस्सा कैश में और दूसरा हिस्सा हवाला के जरिए विदेश में सेटल किया जाता था।

इस पूरे मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर चुका है। ईडी ने अपनी जांच में मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच कुल 127.287 किलो सोना भारत में कथित तौर पर तस्करी के जरिए लाने का दावा किया था।

काजी तौकीर के साथ लड़ाई पर ईशा रिखी ने दी सफाई, बोलीं-दोस्ती अलग दिशा में चली गई थी



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस-20' से बाहर आ चुकी है। बाहर आने के बाद उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ अपनी दोस्ती पर भी अपनी बात रखी। ईशा ने कहा कि शुरुआत में काजी के साथ उनकी दोस्ती अच्छी थी लेकिन धीरे-धीरे वह दोस्ती एक अलग ही दिशा में चली गई।

ईशा रिखी ने कहा, 'घर में हम कभी भी एक-दूसरे से नफरत नहीं करते थे। बस बात ये थी कि वो दो तरह की पर्सनैलिटी के साथ गेम खेल रहे थे और मैं उसे समझ नहीं पा रही थी। इसलिए मुझे उन्हें समझने में काफी समय लग गया। लोग एक घंटे का एपिसोड देख रहे थे लेकिन हम तो चौबीस घंटे साथ में रह रहे थे, सब कुछ देख रहे थे। यही कारण था कि मैं उन्हे न ही समझ पा रही थी और न ही उनसे कनेक्ट हो पा रही थी। इसी वजह से मैं उन्हें गलत जज कर रही थी या यूं कहूं कि मैं उन्हें समझ ही नहीं पा रही थी। अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर आने के बाद काजी को उन्होंने एक अलग तरह से देखा। उन्होंने कहा, 'जब मैं शो से बाहर आई और उनके एपिसोड देखे, तो मैंने उन्हें अलग नजरिए से देखा। मुझे उनकी पर्सनैलिटी बहुत पसंद आई और मुझे ये बात अच्छी लगी कि वह लॉजिकल फाइट्स पर डटे रहे। उनके रिएक्शन लाउड थे, मुझे लगता है कि यह उनके लिए काम कर गया। तो शो में मुझे काजी बहुत पसंद आए।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, 'काजी के साथ आपकी लड़ाई आपकी जर्नी का एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट बन गया। क्या आपको लगता है कि सिचुएशन को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया या आपको लगता है कि आप अलग तरह से रिएक्ट कर सकती थीं?'

ईशा रिखी ने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगता है कि असल में जो कुछ हुआ वह ठीस से सामने नहीं आया। जाहिर है, हमारे पास एक एपिसोड में लिमिटेड टाइम होता है। मैं कई बार अपनी तरफ की बात बता चुकी थी। मैंने साफ कर दिया है कि क्या हुआ था। दरअसल, कुछ समय बाद मेरी और काजी की अकेले में बात भी हुई थी और हमारे बीच जो भी गलतफहमियां थीं, वो दूर हो गईं।'

आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि आपकी पब्लिक इमेज और बादशाह के साथ आपके कनेक्शन की वजह से, लोग आपको जानने से पहले ही आपके बारे में कोई राय बनाकर आए थे?'

उन्होंने कहा, 'शो में जाने के बाद कुछ लोग मुझे जानते थे, तो कुछ ने ऐसे दिखाया कि वे जानते ही नहीं है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मैं इस बात को ज्यादा तवज्जों दूंगी। हां, अगर लोग मुझे उस नजर से जानते हैं, तो जाहिर है उन्हें मेरे साथ रहना था।

डिजाइनर सूट में नेशनल अवॉर्ड लेने पहुंचे आदित्य धर, मनीष मल्होत्रा को कहा- दिल से थैंक्यू

विश्व केसरी ■



मुंबई। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में नेशनल अवॉर्ड लेने के दौरान फिल्ममेकर आदित्य धर ब्लैक कलर का बंद गले का डिजाइनर सूट पहनकर गए थे, जिसे मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। शुक्रवार को निर्देशक ने इस सूट के लिए मनीष मल्होत्रा का शुक्रिया अदा किया।

आदित्य धर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'नेशनल अवॉर्ड्स के लिए मुझे तैयार करने के लिए मनीष मल्होत्रा का दिल से शुक्रिया। आपकी उदारता, कला और इस खास मौके को और भी यादगार बनाने के लिए आभारी हूं।'

आदित्य धर की इस स्टोरी पर मनीष मल्होत्रा ने आभार जताते हुए इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रीशेयर किया। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के 72वें संस्करण में फीचर फिल्म 'आर्टिकल 370' ने विभिन्न श्रेणियों में तीन पुरस्कार जीतकर बड़ी सफलता हासिल की है, जिसमें उत्कृष्ट अभिनय के लिए यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला है।

इस कार्यक्रम में यामी गौतम ने काले रंग की साड़ी पहनी थी, जिससे दोनो का लुक काफी मैचिंग और क्लासी लग रहा था। यह समारोह सितंबर 2026 में गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित किया गया था, जहां देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ये पुरस्कार प्रदान किए। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित फिल्म 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम (जूनी हक्सर - आईबी अधिकारी) और प्रियमणि (राजेश्वरी स्वामीनाथन - पीएमओ सचिव), अरुण गोविल (प्रधानमंत्री), और किरण करमाकर (गृह मंत्री) जैसे कलाकार नजर आए थे।

यह फिल्म जम्मू-कश्मीर से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने की ऐतिहासिक व राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है।

जी20 में बनी सहमति, खाने-पीने की चीजों को ट्रेड हथियार बनाने की होगी निंदा : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि

विश्व केसरी■



मिल्वौकी। जी20 देशों ने खाने-पीने की चीजों को व्यापार के जरिए हथियार बनाने की निंदा करने पर सहमति बना ली है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इसका ऐलान किया और इसे एक अहम कदम बताया, ताकि कृषि उत्पादों का इस्तेमाल आर्थिक या राजनीतिक दबाव के लिए न किया जा सके।

यह सहमति मिल्वौकी में हुई जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में कई दिनों की चर्चा के बाद बनी है, जहां अमेरिका ने इस मुद्दे को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के एजेंडे में रखा था।

जैमीसन ग्रीर ने पत्रकारों को बताया, 'कई दिनों की चर्चा और सदस्यों की तरफ से कार्रवाई करने की इच्छा के बाद, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम व्यापारिक कार्रवाई के जरिए खाने को हथियार बनाने पर जी20 के बयान पर सहमति पर पहुंच गए हैं और हम इसे आज बाद में जारी करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि कृषि उत्पादों का इस्तेमाल आर्थिक या राजनीतिक दबाव के औजार के रूप में न किया जाए।'

जैमीसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका की जी20 अध्यक्षता के दौरान यह मुद्दा इसलिए उठाया गया क्योंकि खाने, कृषि उत्पादों और कृषि से जुड़े सामानों के व्यापार का इस्तेमाल देशों पर दबाव डालने के लिए किया जा सकता है।उन्होंने कहा, 'अमेरिकी अध्यक्षता के दौरान, हमने जी20 सत्रों में चर्चा की कि कैसे खाने और कृषि उत्पादों के व्यापार को आर्थिक या राजनीतिक कारणों से दबाव डालने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे लक्षित देशों में लोगों की रोजी-रोटी को खतरा होता है, प्रतिस्पर्धा बिगड़ती है और वैश्विक व्यापार प्रणाली पर भरोसा कम होता है।'

जैमीसन ग्रीर ने कहा कि खाने को हथियार बनाना जी20 की चर्चा के लिए एक नया विषय था, लेकिन यह समस्या नई नहीं है। उन्होंने कहा, 'जी20 सदस्यों के पास इस हफ्ते खाने को हथियार बनाने की निंदा करते हुए एक सामूहिक बयान देने का अनोखा मौका था, ताकि इस महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता बढ़ाई जा सके और वैश्विक स्तर पर इसके इस्तेमाल और प्रभाव को कम करने में मदद मिल सके।'

खाने के मुद्दे पर बनी सहमति के उलट, जी20 सदस्य मिल्वौकी बैठक में उठाए गए दो अन्य बड़े मुद्दों (जबरन मजदूरी और अतिरिक्त उत्पादन क्षमता) पर सहमत नहीं हो पाए।

प्रधानमंत्री मोदी का मकसद यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशना : पुतिन

विश्व केसरी■



मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वे ऐसे सुझाव लेकर आते हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हैं। वे इस झगड़े को शांति से और जल्द सुलझाना चाहते हैं।

रूसी समाचार एजेंसी 'टास' की रिपोर्ट के अनुसार, वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के 23वें सत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं।

उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे सुझाव देते हैं, जिनका मकसद ऐसे समाधान तलाशना होता है जो दोनों पक्षों को स्वीकार हों, खास तौर पर ऐसे समाधान जिन पर दोनों पक्ष सहमत हो सकें।'

न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, पुति?न ने कहा कि भारत सरकार के प्रमुख का रुख निष्पक्ष है, लेकिन उनकी कोशिश इस संघर्ष को खत्म कराने की दिशा में है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम भारत के प्रधानमंत्री के आभारी हैं कि वह इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से और जितनी जल्दी हो सके, सुलझाना चाहते हैं।'

टास के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता बेहद सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कुछ ऐसा है जो इसे बेहद खास बनाता है। यहां एक तरफ इतनी विविधता और अलग-अलग पहचान हैं।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हमले उजागर कर रहे रणनीति की नाकामी

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की ओर से लगातार किए जा रहे हमले, सीमित प्रभाव के बावजूद, इस्लामाबाद की रणनीति को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की कार्रवाई उसके उस नजरिए को उजागर करती है, जिसके तहत वह अफगानिस्तान में खोया हुआ अपना प्रभाव दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से किए गए अधिकांश हमलो के बाद तालिबान प्रशासन के अधिकारियों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा जवाबी कार्रवाई की धमकियां और कभी-कभार सीमा पर गोलीबारी भी देखने को मिली है। ताजा घटना गुरुवार तड़के की है, जब पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में कथित तौर पर नागरिकों के घरों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हुई, जबकि 11 अन्य घायल हुए। उन्होंने तीन घरों के नष्ट होने की भी जानकारी दी। इससे पहले 24 सितंबर की सुबह पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर 10 स्थानों पर हवाई और ड्रोन हमले किए थे।

पंजाब सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

विश्व केसरी■



अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को पंजाब के तरन तारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पार घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। यह घटना तरन तारन के बीओपी राजोके इलाके में तड़के हुई। सूत्रों के अनुसार, सीमा के पास संदिग्ध गतिविधि को भांपते ही बीएसएफ के जवानों ने कार्रवाई की और कथित घुसपैठियों को चुनौती दी। सूत्रों ने बताया कि कम से कम तीन व्यक्ति पाकिस्तानी सीमा के चट्टनवाला इलाके से भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे थे। उन्हें चुनौती दी गई और आगे न बढ़ने की चेतावनी दी गई। जब उन्होंने बात नहीं मानी और भारतीय सीमा की ओर बढ़ते रहे, तो बीएसएफ कर्मियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। दो घुसपैठिए मारे गए, जबकि तीसरा भागने में कामयाब रहा। मारे गए पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है और पंजाब पुलिस के साथ समन्वय में आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना पंजाब सेक्टर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ के प्रयासों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के स्तर को रेखांकित करती है। यह घटना पंजाब की पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगातार बनी सुरक्षा चिंताओं के बीच हुई है, जहां हाल के वर्षों में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी के कई प्रयास हुए हैं। हालांकि, इनमें से कई प्रयासों को बीएसएफ जवानों ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया है।

तेल अवीव में इंडिया-इजरायल फेस्टिवल में कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को सलाम

विश्व केसरी■



तेल अवीव। इजरायल के तेल अवीव में इंडिया-इजरायल फेस्टिवल और भारतीय यहूदियों के नेशनल कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इजरायल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस और बहादुरी की तारीफ की। साथ ही, उनके जल्द और पूरी तरह ठीक होने की कामना की।

इजरायल में भारतीय दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर इस सम्मेलन की जानकारी साझा की गई।

दूतावास ने पोस्ट में लिखा, ''कैप्टन स्मित मच्छर को दिल से सलाम! तेल अवीव में आयोजित इंडिया-इजरायल फेस्टिवल और भारतीय यहूदियों के नेशनल कन्वेंशन में राजदूत जेपी सिंह ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस और बहादुरी की जमकर तारीफ की। कैप्टन स्मित मच्छार ने तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 में सवार 174 यात्रियों की जान बचाने में मदद की थी।''

दूतावास के अनुसार, राजदूत जेपी सिंह ने कहा कि कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने पूरे इजरायल और दुनिया को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कैप्टन मच्छार के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना भी की।

इजरायल के महावाणिज्यदूत (मध्य पश्चिम भारत) याविन रेवाच ने फ्लाईदुबई विमान में हुई घटना को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित ने एक सुपरहीरो की तरह जान जोखिम में डालकर यात्रियों की रक्षा की और उनका साहस भारत-इजरायल दोस्ती की असल भावना को दर्शाता है।

इजरायली दूत ने कहा, 'मासूम यात्री इस उम्मीद के साथ विमान में सवार हुए थे कि वे सुरक्षित अपने परिवारों तक पहुंचेंगे लेकिन इसके बजाय उनकी जान खतरे में पड़ गई। इजरायलियों को उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आतंक और भय को उनकी जिंदगी पर हावी नहीं होने दिया जाएगा।'

एफिल टावर विवादः बीएपीएस ने नहीं की थी महिला कर्मचारियों को हटाने की मांग, जांच में हुई पुष्टि

विश्व केसरी■



पेरिस। एफिल टावर यात्रा से जुड़े वि?वाद मामले की आधिकारिक जांच के नतीजे सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने विजिट के रास्ते से महिलाओं को हटाने या उन्हें वहां मौजूद न रहने देने की ऐसी कोई मांग नहीं की थी।

जांच के नतीजे आने के बाद बीएपीएस ने प्रभावित कर्मचारियों के प्रति चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान एफिल टावर पर महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोपों पर बीएपीएस ने सफाई दी है। संस्था ने कहा कि उसने ऐसी कोई मांग नहीं की थी, आधिकारिक जांच में भी यही बात सामने आई है।

शुरुआत से ही बीएपीएस लगातार यह कहता आया है कि उसने कभी भी महिला कर्मचारियों को छिपाने, वहां से हटाने या उन्हें दूर रखने के लिए नहीं कहा था। जांच में भी यह बात साफ हो गई है कि बीएपीएस ने विजिट के रास्ते से महिलाओं को हटाने या उन्हें वहां मौजूद न रहने देने की ऐसी कोई मांग नहीं की थी।

बीएपीएस ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस सफाई से घटना से जुड़े हालात को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी और इसमें शामिल सभी लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ सकेंगे।

यह विवाद सितंबर महीने में बीएपीएस से जुड़े लगभग 100 लोगों के एक निजी दौरे से जुड़ा था, जो पेरिस के बाहरी इलाके में एक मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए फ्रांस आए थे। इस कार्यक्रम के दौरान एफिल टॉवर के कर्मचारियों ने हड़ताल करते हुए आरोप लगाया था।

धारावी एक्सपीरियंस सेंटर से इलाके के निवासियों के बीच बढ़ेगा भरोसाः मुख्यमंत्री फडणवीस

विश्व केसरी■



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि 'धारावी एक्सपीरियंस सेंटर' केवल रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के ब्लूप्रिंट को नहीं दिखाएगा, बल्कि निवासियों के भविष्य के घर, काम करने की जगह और अपने आस-पास के इलाकों को अनुभव करने का भी मौका देगा।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस पहल से अफवाहों, गलतफहमियों और अधूरी जानकारी को रोकने में मदद मिलेगी और रीडेवलपमेंट को लेकर भरोसे का माहौल बनेगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अत्याधुनिक 'धारावी एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन किया। पीएमजीपी कॉलोनी के एच ब्लॉक में बीकेसी के पास बने इस सेंटर में धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्लान, पुनर्वासित घरों, औद्योगिक जगहों और आने वाले सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर की फिजिकल और डिजिटल झलक दिखाई गई है।

इस कार्यक्रम में अदाणी ग्रुप के प्रबंधक निदेशक (ऑयल, एग्रो और गैस) और निदेशक प्रणव अदाणी, बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े, मुंबई स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) के सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर, धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के सीईओ और एसआरए सचिव विपिन पालीवाल, अदाणी नवभारत डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट को पूरा करने वाली स्पेशल पर्पस व्हीकल कंपनी) के सीईओ अनिल सरदाना और अन्य लोग शामिल हुए।

सेंटर का निरीक्षण करने के बाद फडणवीस ने कहा, 'धारावी सिर्फ एक झुग्गी-बस्ती नहीं है, यह एक बड़ा आर्थिक केंद्र है। कुम्हारवाड़ा के मिट्टी के बर्तन बनाने के उद्योग, चमड़े के कारोबार, फूड प्रोसेसिंग, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और कई छोटे और मध्यम उद्योगों की वजह से यहां एक बड़ी अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य से लेकर कानून व्यवस्था तक की स्थिति चिंताजनकः जीतू पटवारी

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर कानून व्यवस्था तक की स्थिति को चिंताजनक बताया है। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, आदिवासी कल्याण और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। प्रदेश में मासूम बच्चों की मौत, जहरीली शराब से लोगों की जान जाने और दूषित पानी से नागरिकों की मृत्यु जैसी घटनाएं सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े करती हैं।

पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट दौरा की चर्चा करते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन आदिवासी परिवारों के दुख-दर्द को समझने का प्रयास था, जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोया है। तीन महीने से लेकर एक वर्ष, दो वर्ष, पांच वर्ष, 15 वर्ष और 17 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को खोने वाले परिवारों का दर्द पूरे प्रदेश की संवेदना और शासन की जवाबदेही का विषय है। इन परिवारों की पीड़ा को सुनना और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है।

जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश के आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं, पोषण, शिक्षा और रोजगार की स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। अलीराजपुर सहित प्रदेश के आदिवासी जिलों में गरीबी और बुनियादी सुविधाओं की कमी के सवाल लगातार उठते रहे हैं। आदिवासी परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, पौष्टिक आहार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

कर्नाटकः सीएम डीके शिवकुमार की गिरफ्तारी की मांग

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। भाजपा ने सवाल उठाया कि पुलिस ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय परिसर में प्रदर्शन करने की अनुमति कैसे दी।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और उनकी गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू की जाए।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवादी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सीएन अश्वत्थ नारायण, सांसद पीसी मोहन, एमएलसी सीटी रवि, वेंकटेश डोड्डेरी और हरीश एस. सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने किया। भाजपा की ओर से सौंपे गए ज्ञापन का शीर्षक था, 'सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए मुख्यमंत्री और मंत्रियों को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति। आर. अशोक ने कहा, 'मैं उस घटना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराता हूं, जिसमें मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों और पार्टी नेताओं ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में प्रदर्शन किया यह एक गंभीर घटनाक्रम है।'

वायुसेना की 'तरंग शक्ति' की रफ्तार, आसमान में दिखा साझेदारी का दम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में विभिन्न देशों की वायुसेनाओं की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान के जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास में भारत के साथ कई देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त हवाई अभियानों के जरिए आपसी तालमेल, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देना है।

इस बार अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमानों की भागीदारी भी खास आकर्षण है। छह एफ-35 विमानों के साथ अमेरिकी वायुसेना अभ्यास में शामिल है। भारतीय वायुसेना के साथ एफ-35 की किसी अभ्यास में यह पहली भागीदारी है। यही कारण है कि एफ-35ए की भारत में इस अभ्यास के दौरान भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह विमान पहले भारत में एयरो शो के दौरान दिखाई दे चुका है, लेकिन 'तरंग शक्ति' में इसकी सैन्य अभ्यास के रूप में पहली भागीदारी हुई है। यहां विभिन्न अभ्यास केवल विमानों की उड़ानों तक सीमित नहीं है। इसमें वायु दलों, अभियान योजनाकारों और जमीन पर काम करने वाले कर्मियों के बीच पेशेवर संवाद भी हो रहा है। इसके अलावा संगोष्ठी, औद्योगिक भ्रमण, विरासत स्थलों का दौरा, योग और अन्य गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाले देशों के कर्मियों को एक-दूसरे को करीब से समझने का अवसर मिल रहा है।

अभ्यास की खास तस्वीर जमीन और आसमान दोनों जगह दिखाई दे रही है। विभिन्न देशों के वायु योद्धा यहां आपस में संवाद व संपर्क कर रहे हैं। वायुसेना के अधिकारी अनुभव साझा करने के साथ ही पेशेवर संबंध भी मजबूत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय आसमान में अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमान तेज गति से उड़ान भरते हुए संयुक्त प्रशिक्षण अभियानों में हिस्सा ले रहे हैं। 'साझेदारी में शक्ति' यानी पावर इन पार्टनरशिप इस अभ्यास की मुख्य भावना है।

भारतीय वायुसेना के साथ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायुसेनाएं अभ्यास में शामिल हैं।

महिला तीरंदाजों ने स्वर्ण पर लगाया निशाना



विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारत को एशियन गेम्स 2026 में 11वां गोल्ड मेडल मिल गया है। शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारतीय टीम की 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया पर यह जीत ऐतिहासिक है। महिला रिकर्व आर्चरी टीम का एशियन गेम्स इतिहास में यह पहला गोल्ड है।

भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में खेले गए फाइनल में मुश्किल हालात में मजबूत कोरियाई टीम को 5-3 से हराकर ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता।

पहला सेट बराबरी का रहा, क्योंकि दोनों टीमों ने 54-54 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया और हर एक को एक पॉइंट मिला।कोरिया ने दूसरे सेट की शुरुआत 10, 9 और 9 के स्कोर के साथ जोरदार तरीके से की। भारत ने 10 के साथ जवाब दिया, जिसके बाद कीर्ति ने 8 का स्कोर किया और उसके बाद अंकिता ने 10 का एक जरूरी शॉट लगाया। इसके बाद कोरिया ने 10 और दो 9 के शॉट लगाए। अंकिता ने एक शॉट ठीक बीच में मारा, लेकिन कीर्ति ने 8 का शॉट लगाया, जिससे 17 साल की कुमकुम पर दबाव पड़ा, जिसने शानदार शॉट लगाया और 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे स्कोर 2-2 हो गया।

तीसरे सेट में, कोरिया ने 8 के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर अगले दो शॉट में 10 और 9 के साथ वापसी की। भारत ने 10 के साथ शुरुआत की, उसके बाद 9 के साथ। अपने अगले तीन शॉट में, कोरिया ने तीन बार 8 का स्कोर किया, जिससे भारत को सेट जीतने का एक मजबूत मौका मिला। इसके बाद भारत ने 8 के साथ शुरुआत की, फिर 9 के साथ, और आखिर में, कुमकुम ने 10 का स्कोर करके तीसरा सेट अपने नाम कर लिया, जिससे टीम 4-2 से आगे हो गई।

चौथे सेट में, कोरिया ने दो 9 के स्कोर से शुरुआत की, उसके बाद 10 का स्कोर किया। भारत ने 8, 8 और फिर 9 के शॉट लगाए। इसके बाद कोरिया ने 8, 9 और 9 के शॉट लगाए। आखिरी तीन अहम शॉट में, कीर्ति ने 9 का शॉट लगाकर शुरुआत की और अंकिता ने एक और 9 का शॉट लगाया, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे 5-3 से जीत पक्की हो गई।

भारतीय टीम में शामिल कुमकुम मोहोद, अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा ने धैर्य के साथ साहसिक खेल का प्रदर्शन किया। कुमकुम मोहोद फाइनल की स्टार रहीं, जिन्होंने दबाव में भी कमाल का संयम दिखाया। 17 साल की इस खिलाड़ी ने बार-बार जरूरी 10 पॉइंट बनाए। भारत को जब भी पॉइंट की जरूरत थी, कुमकुम ने अपने शॉट से पॉइंट हासिल किया। इसमें उनका वह अहम शॉट भी शामिल है, जिससे गोल्ड मेडल पक्का हुआ। अंकिता भक्त ने कीमती अनुभव और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि कीर्ति पर फाइनल के दौरान दबाव के पल आए। लेकिन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर देश के लिए सोना जीत लिया।

रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को सिल्वर

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद की मिक्स्ड रिकर्व आर्चरी टीम को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में चीन के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया, जबकि दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ओलंपिक कोटा पाने से चूक गई।

रिकर्व तीरंदाजी में यह भारत का दूसरा मेडल है। महिला टीम ने शुक्रवार सुबह एशियन गेम्स में अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन टीम दक्षिण कोरिया को हराया।

मिक्स्ड टीम फाइनल में, भारत ने 9 और 8 के स्कोर से शुरुआत की, जबकि चीन ने 10 और 8 के स्कोर से जवाब दिया। धीरज ने फिर 7 का स्कोर किया, लेकिन कुमकुम ने 10 का स्कोर किया। चीन ने 10 के दो स्कोर करके सेट अपने नाम कर लिया और 2-0 की शुरुआती बढ़त बना ली।

दूसरे सेट में, धीरज और कुमकुम, दोनों ने 8 और 9 के स्कोर किए, जबकि चीनी टीम ने 9 और 8 के स्कोर किए। कुमकुम ने फिर 8 का स्कोर किया, लेकिन धीरज टारगेट के सेंटर में हिट करने में कामयाब रहा। चीन ने 10 के दो



स्कोर करके जवाब दिया, जिससे उसकी बढ़त 4-0 हो गई।

तीसरे सेट में, कुमकुम ने 8 का स्कोर किया, जबकि धीरज ने टारगेट के सेंटर में हिट किया। चीन ने 9 और 10 के स्कोर करके जवाब दिया, जिससे भारत पर दबाव बढ़ गया। कुमकुम ने आखिरकार 10 का स्कोर किया और धीरज ने 9 का स्कोर किया। चीन ने 10 और 7 का स्कोर किया, जिससे भारत को सेट मिल गया क्योंकि स्कोर 4-2 था।

चौथे सेट में, भारत ने 9 के दो स्कोर के साथ शुरुआत की, जबकि चीन ने 8 और 10 का स्कोर बनाया। इसके बाद कुमकुम और धीरज ने क्रमश: 10 और 9 का स्कोर बनाया। इसके बाद चीन ने भारत के आखिरी दो तीरों के कुल स्कोर की बराबरी की, जिसमें झू ने 9 का स्कोर बनाया, जबकि ली ने 10 का स्कोर बनाया, जिससे सेट 37-37 से टाई हो गया, जो उसके लिए गोल्ड मेडल पक्का करने के लिए काफी था।

इससे पहले, धीरज और कुमकुम ने 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेमीफाइनल में जापान को 5-3 से हराया और एशियन गेम्स रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई।

लालरेम्सियामी ने भारत के लिए पूरे किए 200 इंटरनेशनल मैच



विश्व केसरी ■

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी लालरेम्सियामी ने देश के लिए 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच खेलने का मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह उपलब्धि आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 में चीन के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच के दौरान हासिल की। हॉकी इंडिया ने इस स्टार खिलाड़ी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। 26 वर्षीय लालरेम्सियामी ने 2017 में अपना सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू किया था और तब से उन्होंने भारतीय महिला टीम में खुद को एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है। उन्होंने कई बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में योगदान दिया है और टीम की कुछ सबसे बड़ी कामयाबियों में अहम भूमिका निभाई है। लालरेम्सियामी का इंटरनेशनल लेवल पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने एशियन गेम्स 2018 में सिल्वर और एशियन गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। इसके अलावा एफआईएच नेशंस कप में उन्होंने 2022 और 2026 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। महाद्वीपीय स्तर पर भी उन्हें काफी सफलता मिली है। वह 2017 में भारत की एशिया कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद भारत ने 2022 में ब्रॉन्ज और 2025 में सिल्वर मेडल जीता। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और 2023 तथा 2024 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने वाली टीम का हिस्सा रहीं। इसके अलावा 2018 में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम में भी लालरेम्सियामी शामिल थीं। मेडल जीतने के अलावा लालरेम्सियामी भारतीय महिला हॉकी के ऐतिहासिक अभियानों का भी हिस्सा रही हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने टोक्यो 2020 में ओलंपिक में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहीं।

नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी सेलिंग में जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■

गामागोरी। भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता।

एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की।

फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और



फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था। इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए फिर से क्वालीफाई किया।

शुक्रवार को, दूसरी तरफ, विष्णु सरवनन, जो दो बार के ओलंपियन हैं, पुरुषों की डिंगी में 21 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। कोरिया गणराज्य के हा जी-मिन ने नौ नेट पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मलेशिया के खैरुलनिजाम मोहम्मद अफेंडी 14 नेट पॉइंट्स के साथ पोडियम पर आखिरी पायदान पर रहे। सरवनन ने हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

भारत का कैनो स्लैलम कैंपेन बिना किसी मेडल के खत्म हुआ। कुल पांच भारतीयों ने पांच मेडल इवेंट्स—पुरुषों का कयाक एकल, पुरुषों का कयाक क्रॉस, महिलाओं का कैनो एकल, महिलाओं का कयाक एकल और महिलाओं का कयाक क्रॉस—में हिस्सा लिया।

भारत का सबसे अच्छा परिणाम पुरुषों के कयाक एकल में आया, जिसमें प्रद्युम्न सिंह राठौड़ 10 फाइनलिस्ट में 125.21 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे, जिसमें छह सेकंड की टाइम पेनल्टी शामिल थी।

परवीन हुड्डा ने नीन-चिन चे को हराकर मुक्केबाजी में दिलाया दूसरा स्वर्ण पदक

विश्व केसरी ■

निशियो। परवीन हुड्डा ने एशियन गेम्स में मेडल का अपना लंबा इंतजार खत्म कर दिया है। 26 साल की परवीन ने महिलाओं की 65 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। एशियन गेम्स 2026 में मुक्केबाजी में भारत का यह दूसरा गोल्ड मेडल है और कुल 13वां गोल्ड मेडल है।

परवीन ने शुक्रवार को चीनी ताइपे की नीन-चिन चे के खिलाफ करीबी मुकाबले में फाइनल जीता।

भारतीय मुक्केबाज ने शानदार शुरुआत की और पहला राउंड 5-0 से जीता। चे ने दूसरे राउंड में जवाब दिया और यह राउंड 5-0 से जीत लिया। आखिरी राउंड में परवीन ने अपना धैर्य बनाए रखा और राउंड 3-2 से जीतकर गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। यह कामयाबी परवीन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने 2025 वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता था, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और 2022 एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था।

परवीन अब एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला हैं। दिग्गज एमसी मैरी कॉम ने इंचियोन में 2014 एशियन गेम्स में महिलाओं की 51 किग्रा स्पर्धा में गोल्ड जीता था।

गोल्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना हैं। लवलीना ने शुक्रवार को (आज ही कुछ घंटे पहले) अपने 29वें जन्मदिन पर 75 किग्रा के फाइनल में चीन की जियाई बाओ को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली लवलीना ने बाओ के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन करके पिछले एडिशन में जीते सिल्वर मेडल में सुधार किया और इस तरह अपने लिए एक शानदार बर्थडे गिफ्ट हासिल किया।

लवलीना, मैरी कॉम के बाद दूसरी भारतीय महिला हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल और ओलंपिक मेडल जीता है। इसके साथ ही लवलीना एशियन गेम्स में लगातार दो बार फाइनल में पहुंचने और गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज हैं।

पुरूष तीरंदाजी में भारत को रजत

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया।

पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

भारतीय तीरंदाजों को कोरियाई तीरंदाजों को हराना मुश्किल लगा और वे सिर्फ एक सेट टाई कर पाए, जबकि बाकी दो हार गए। भारत और कोरिया ने पहले सेट में छह



तीरों से 56 पॉइंट बनाए, जिसके बाद दोनों ने एक-एक पॉइंट साझा किया। नौ बार के चैंपियन ने अपना शीर्ष प्रदर्शन जारी रखा और भारतीय तीरंदाजों की कुछ गलतियों की वजह से 57-40 के स्कोर के साथ दूसरा सेट जीत लिया।

3-1 की बढ़त के साथ, कोरिया ने 56-54 के स्कोर के साथ तीसरा सेट भी जीत लिया, क्योंकि उन्होंने आखिरी सेट में नौ से कम का कोई निशाना नहीं लगाया, जबकि भारत की ओर से आखिरी सेट में सात का शॉट लगा।

दोनों टीमों ने पहले सेट में 1-1 की बराबरी के साथ फाइनल की शुरुआत की। दोनों टीमों ने शुरुआती सेट में 56 पॉइंट बनाए और तीन-तीन बार 10 पॉइंट हासिल किए। भारतीय तीरंदाजों के पास पहला सेट जीतने का अच्छा मौका था, जब उन्हें कोरिया के 56 के स्कोर को पार करने के लिए आखिरी तीन तीरों से 28 पॉइंट चाहिए थे। लेकिन उन्होंने 10, 8 और 9 का स्कोर करके उन तीनों तीरों से 27 पॉइंट हासिल किए और कोरिया की बराबरी कर ली।

कोरियाई खिलाड़ियों ने दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन किया, जब उन्होंने 10 पर चार तीर लगाए, जबकि भारतीयों ने 10 पर कोई तीर नहीं लगाया। यशदीप और नीरज ने आठ-आठ का एक-एक शॉट लगाया, जबकि धीरज टारगेट से चूक गए और आठ के दो शॉट लगाए, जिससे कोरिया ने दूसरा सेट 57-50 से जीत लिया।

आखिरी सेट में गलतियों की ज्यादा गुंजाइश नहीं थी। भारत ने तीसरे सेट में पहले तीन तीरों से 28 पॉइंट लिए, जिसमें नीरज ने 10 और यशदीप और धीरज ने नौ-नौ पॉइंट बनाए।

कोरिया ने 28 पॉइंट के साथ जवाब दिया। नीरज ने सेट के चौथे तीर पर भारत के लिए सात पॉइंट हासिल किए, जबकि यशदीप और धीरज ने क्रमश: नौ और 10 पॉइंट बनाए।

कोरिया को सेट और मैच जीतने के लिए 27 पॉइंट चाहिए थे, और उसने आखिरी तीन तीरों से 28 पॉइंट हासिल करके सेट 56-54 और मैच 5-1 से जीत लिया।

कियूका को हराकर सुजीत फाइनल में

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट फ्रीस्टाइल पहलवान सुजीत कलकल ने शुक्रवार को जापान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियूका को हराकर पुरुषों के 65 किग्रा फाइनल में जगह बनाई। सुजीत का फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडीव से मुकाबला होगा।

सुजीत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद रोमांचक सेमीफाइनल में ओलंपिक चैंपियन और घरेलू फेवरेट कोटारो को 3-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की।

अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन सुजीत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान के सैयद उमर जजई पर 13-3 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत के साथ कैंपेन की शुरुआत की। जजई ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले की शुरुआत में सुजीत पर तीन पॉइंट बनाए। सुजीत ने खुद को संभाला और स्टेप-आउट के साथ आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने एक फोर-पॉइंटर, एक गो-बिहाइंड और एक एक्सपोजर स्कोर करके 9-3 की बढ़त बना ली, फिर 13-3 से



जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

इसके बाद सुजीत ने अब्बास इब्राहिमजादेह पर 10-0 की जीत के बाद ओलंपिक चैंपियन कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने आर्म थ्रो से शुरुआत की और फिर दो बार एक्सपोजर पॉइंट और दो गो-बिहाइंड स्कोर करके जीत पूरी की।

कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में जापानी पहलवान ने दो तेज़ी से अंक बनाकर 2-0 की बढ़त बना ली। लेकिन सुजीत ने लगातार दो स्कोरिंग मूव बनाए और 4-2 की बढ़त बनाए रखी। रिव्यू के बाद, सुजीत का टोटल 3 हो गया, लेकिन वह अभी भी आगे थे। कियूका ने फिर मुकाबला 3-3 से बराबर कर दिया और सुजीत फाइनल में पहुंच गए। उनके पास जापानी पहलवान से अधिक स्कोरिंग मूव था।

पुरुषों के 125 किग्रा फ्रीस्टाइल में, रूहाल पहले राउंड में कजाकिस्तान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन येदिगे कासिमबेक से 3-8 से हार गए। महिला कुश्ती में भारत की शुरुआत मुश्किल रही क्योंकि प्रिया मलिक और दीपांशी (50 किग्रा) दोनों अपने शुरुआती मुकाबले हार गईं।

पीएम ई-ड्राइव योजना से 26.59 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को मिला समर्थन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत जून 2026 तक 26.59 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री संभव हुई है। इससे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी आई है, चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और घरेलू विनिर्माण इकोसिस्टम मजबूत हुआ है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

11,900 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन वाली इस योजना की अवधि बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दी गई है। यह योजना इलेक्ट्रिक वाहनों की विभिन्न श्रेणियों और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे को समर्थन देती है।

सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, योजना के तहत 28.30 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अलावा ई-बसों, चार्जिंग स्टेशनों और परीक्षण सुविधाओं को भी समर्थन दिया जा रहा है, जिससे पूरे भारत में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा मिल रहा है।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 14,028 ई-बसों की तैनाती के लिए करीब 4,391 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इनमें से अगस्त 2026 तक 14,000 ई-बसों का आवंटन किया जा चुका है।

करीब 13,800 ई-बसें सात शहरों—दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे और सूरत—को आवंटित की गई हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (ईवी पीसीएस) और परीक्षण एजेंसियों के अपग्रेड के लिए भी अनुदान सहायता उपलब्ध है।

देशभर में ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के लिए करीब 2,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। 28 सितंबर 2026 तक तीन तेल विपणन कंपनियों और 10 राज्यों में 8,147 चार्जर लगाने के लिए 851 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इसके अलावा, वाहन परीक्षण एजेंसियों के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए 780 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

लक्षित नीतियों, वित्तीय प्रोत्साहनों और सहायक उपायों के चलते देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तेजी से आगे बढ़ रही है।

यह योजना विभिन्न वाहन श्रेणियों और उनसे जुड़े घटकों के लिए मांग आधारित प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी सहायता प्रदान करती है।

इस योजना के दायरे में ई-2 व्हीलर (ई-2डब्ल्यू), ई-3 व्हीलर (ई-3डब्ल्यू), जिनमें पंजीकृत ई-रिक्शा और ई-कार्ट तथा एल5 श्रेणी के वाहन, ई-एम्बुलेंस, ई-ट्रक, ई-बस, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और परीक्षण एजेंसियों का उन्नयन शामिल हैं।

पंजीकृत ई-2डब्ल्यू के लिए 2,500 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपए प्रति वाहन है। यह लाभ 1.5 लाख रुपए तक की एक्स-फैक्ट्री कीमत वाले वाहनों पर लागू होता है। इसके लिए कुल 2,767 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है। योजना का लक्ष्य 45.79 लाख से अधिक पंजीकृत ई-2डब्ल्यू को समर्थन देना है।

सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, पंजीकृत ई-3डब्ल्यू (एल5) के लिए निर्धारित बिक्री लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और इस श्रेणी को 26 दिसंबर 2025 को बंद कर दिया गया। वहीं, ई-3डब्ल्यू (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए समर्थन मार्च 2028 तक जारी रहेगा।

सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप बजटिंग को मजबूत बनाने के लिए नीति आयोग ने आयोजित की राष्ट्रीय कार्यशाला



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नीति आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के तकनीकी समर्थन से कोलकाता में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) बजटिंग पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्यशाला नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य राज्यों की योजना और बजट प्रक्रियाओं को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप बनाना और राज्य स्तर पर एसडीजी बजट टैगिंग को संस्थागत स्वरूप देना था।

कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि एसडीजी बजट टैगिंग विकास लक्ष्यों, निर्धारित लक्ष्यों, बजट आवंटन और खर्च के लिए जिम्मेदार एजेंसियों के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करने में मदद करती है। इससे यह समझने में आसानी होती है कि सरकारी व्यय किस प्रकार विकास प्राथमिकताओं को समर्थन दे रहा है।

नीति आयोग के सदस्य आर. बालासुब्रमण्यम ने कहा कि राज्य सरकारों के खर्च को एसडीजी के साथ मैप करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सार्वजनिक व्यय वास्तव में उन क्षेत्रों में किया जाए जो समावेशी और सतत विकास के लिए आवश्यक हैं।

कार्यशाला के दौरान 'राज्य के बजट को एसडीजी से जोड़ने के लिए गाइड' पर भी चर्चा हुई, जिसे नीति आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और यूएनडीपी ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह मार्गदर्शिका राज्यों के बजट को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान करती है।

चर्चा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि एसडीजी टैगिंग के लिए किन व्ययों की पहचान की जाए, टैगिंग का उचित स्तर क्या हो, व्यय को संबंधित लेखा शीर्षों और एसडीजी लक्ष्यों से किस प्रकार जोड़ा जाए तथा नीति आयोग की योजना-एसडीजी मैपिंग प्रणाली के माध्यम से मूल्यों का निर्धारण कैसे किया जाए।

प्रतिभागियों ने वार्षिक बजट प्रक्रिया में एसडीजी बजटिंग को शामिल करने से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया, जिनमें संस्थागत जिम्मेदारियां, व्ययों का मिलान, गुणवत्ता आश्वासन, रिपोर्टिंग प्रणाली और प्रदर्शन ऑडिट जैसे पहलू शामिल थे।

कार्यशाला में 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा नीति आयोग, सीएजी, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) और विभिन्न सरकारी संस्थानों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शरीर को लचीला और मन को शांत करता है गोमुखासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घंटों एक ही जगह बैठकर काम करना और गलत खानपान की वजह से कंधे, पीठ और कूल्हों में जकड़न एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में 'गोमुखासन' शरीर को लचीला और मन को शांत करने का काम करता है। नियमित अभ्यास से यह न सिर्फ शरीर की अकड़न दूर करता है बल्कि एकाग्रता और संतुलन भी बढ़ाता है।



गोमुखासन का नाम दो शब्दों पर रखा गया है- गऊ और मुख। गऊ यानी गाय और मुख यानी चेहरा। गोमुखासन को यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस आसान में आपके जांघ और पिंडली गाय के चेहरे के समान मुद्रा में होते हैं: पीछे की ओर चौड़ा और सामने की तरफ पतला। इसमें अभ्यासकर्ता को सीधे बैठने की आवश्यकता होती है, साथ ही यह आसन को भी बेहतर बनाता है।

हालांकि, यह आसन करने में आसान है लेकिन शुरुआती अभ्यासकर्ता इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में करें। आयुष मंत्रालय के अनुसार, गोमुखासन एक अत्यंत प्रभावशाली बैठकर किया जाने वाला योगासन है। इस आसन में पैरों और घुटनों की आकृति गाय के मुख के समान दिखाई देती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है। यह आसन छाती को खोलता है, जिससे श्वसन स्वास्थ्य बेहतर होता है और फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है।

यह आसन अस्थमा के मरीजों के लिए भी फायदेमंद माना गया है क्योंकि यह फेफड़ों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है और सांस लेने की प्रक्रिया को सुचारु करता है।

डायबिटीज के मरीजों को भी गोमुखासन करने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह योगासन शरीर के अंदरूनी अंगों पर बेहतरीन असर डालता है। इसे करने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है।

इसके साथ ही यह हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसे करने से तनाव कम होता है, जिससे दिल पर दबाव नहीं पड़ता और ब्लड प्रेशर भी संतुलित रहता है। गर्भवती महिलाओं को बिना विशेषज्ञ की सलाह के यह आसन नहीं करना चाहिए। यदि किसी भी व्यक्ति के कंधों, गर्दन, घुटनों या कूल्हों में कोई गंभीर चोट या पुराना दर्द है, तो यह आसन न करें।

हरियाणा से कनाडा को फ्रोजन फूड उत्पादों का निर्यात, किसानों की बढ़ेगी आय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 1 अक्टूबर 2026 को हरियाणा के सोनीपत से कनाडा के लिए 24 एमटी फ्रोजन फूड उत्पादों की खेप को रवाना करने में मदद की। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि 'अटेर्ना फूड्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' द्वारा निर्यात की गई इस खेप में कुल सीएडी 35,140 मूल्य के फ्रोजन फूड उत्पादों के 2,295 डिब्बे शामिल हैं।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के जरिए किए जाने वाले इस निर्यात में हरे मटर, मिश्रित सब्जियां, मटर एवं गाजर, स्वीट कॉर्न और समोसा शामिल हैं। निर्यात करने वाली इकाई को एपीडा की वित्तीय सहायता योजना के तहत मदद मिली थी। मंत्रालय के मुताबिक, यह खेप भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवसर बढ़ाने तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वैश्विक खरीदारों एवं बाजारों से जोड़ने की दिशा में एक और कदम है।

यह निर्यात केंद्रित मूल्य श्रृंखला बनाने और किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में मदद करने में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की बढ़ती भूमिका को दिखाता है। एपीडा, बाजार तक पहुंच को मजबूत करने और किसान समूहों को निर्यात के अवसरों से जोड़ने वाली पहलों के जरिए एफपीओ/एफपीसी और निर्यातकों के बीच संबंध बनाने में मदद कर रहा है।

खेती के उत्पादों को प्रसंस्करण और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़कर, एफपीओ-आधारित मॉडल उत्पादकों को बेहतर लाभ अर्जित करने और निर्यात मूल्य श्रृंखला में किसान समूहों की भागीदारी को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत एपीडा, भारतीय कृषिगत एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बाजार से जुड़ाव और निर्यात के अवसर बनाने में मदद करता है।

प्राइवेट अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्ति रोकने के लिए नए प्रोटोकॉल जारी

विश्व केसरी ■

कोलकाता। फर्जी प्रमाणपत्रों और फर्जी पंजीकरण संख्याओं का इस्तेमाल करके चिकित्सा करने वाले लोगों की खबरों के बीच पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर के निजी चिकित्सा संस्थानों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नए प्रोटोकॉल जारी किए हैं।

राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, किसी भी निजी चिकित्सा संस्थान को नियुक्ति करने से पहले संबंधित डॉक्टरों की पंजीकरण संख्याओं का सत्यापन करना होगा।

पश्चिम बंगाल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट (पंजीकरण, विनियमन और पारदर्शिता) नियम, 2017 के नियम 7(4) के अनुसार निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को सभी दस्तावेजों का सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है।

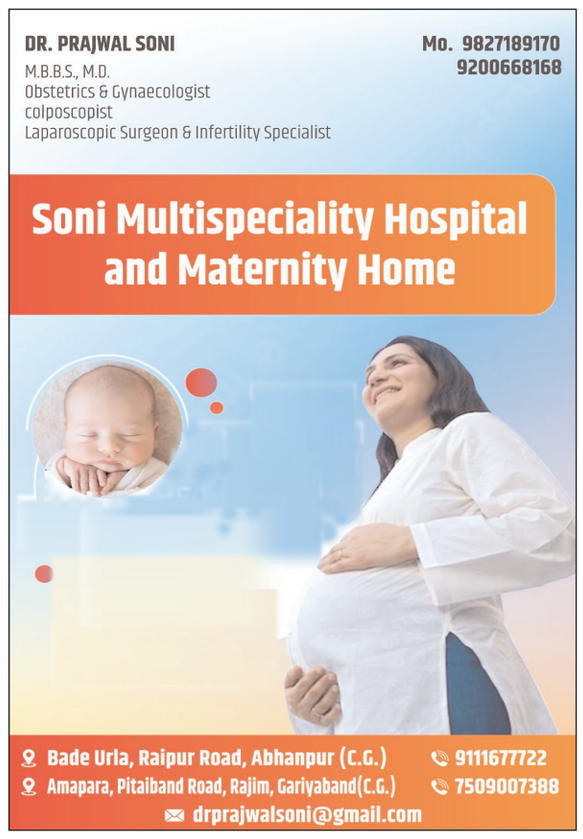
राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अक्सर, कई व्यक्ति खुद को डॉक्टर बताकर वैध पंजीकरण संख्या या प्रैक्टिस करने की अनुमति के बिना प्रैक्टिस करते हैं। इससे आम लोग भ्रमित हो जाते हैं। इसलिए, हमने लाइसेंसिंग अधिकारियों से इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए सतर्क रहने को कहा है। साथ ही, उन्होंने आगे कहा कि यदि किसी चिकित्सक की पहचान, शैक्षणिक योग्यता, पंजीकरण या चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के अधिकार के बारे में कोई संदेह हो, तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि ऐसे संदेह की स्थिति में संबंधित डॉक्टर की योग्यता की पुष्टि करने के लिए तुरंत पश्चिम चिकित्सा परिषद का ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए। अंत में, यदि कोई व्यक्ति फर्जी पहचान के साथ या बिना पंजीकरण और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत हुए बिना चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी और संबंधित व्यक्तियों को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी।

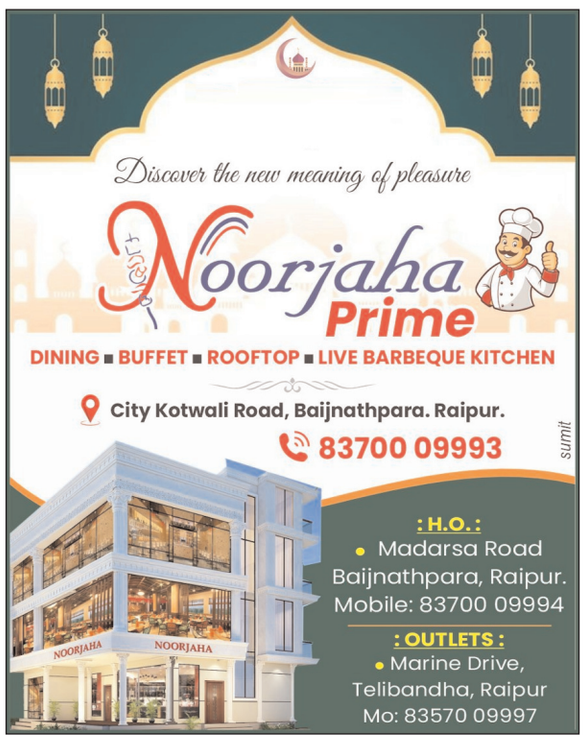
बड़ी आईटी कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं मिड-साइज आईटी कंपनिया : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितताओं और जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मिड-साइज आईटी कंपनियों के अपने बड़े प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना है। यह बात ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही के दौरान आईटी सेवाओं की कुल मांग का माहौल व्यापक रूप से स्थिर बना रहा। हालांकि सितंबर में वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बिगड़ने से कारोबारी भावना पर कुछ असर जरूर पड़ा है। नुवामा का मानना है कि आगामी तिमाही नतीजों के दौरान आईटी कंपनियों का प्रबंधन वैश्विक तनाव, कमजोर व्यापक आर्थिक वातावरण और जेन-एआई के बदलते प्रभाव को लेकर सतर्क रुख अपनाएगा। हाल के महीनों में इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर दबाव डाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले नौ महीनों में आईटी इंडेक्स में लगभग 26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसके पीछे प्लेटफॉर्म आधारित जेन-एआई से संभावित व्यवधान और खाड़ी क्षेत्र से जुड़ी अनिश्चितताओं को प्रमुख वजह माना गया है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद नुवामा ने आईटी सेवा क्षेत्र को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है।











दिल्ली में छात्रों ने लिया स्वच्छता का संकल्प, पीएम श्री स्कूल में श्रमदान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पीएम श्री स्कूल के शिक्षक व वरिष्ठ अधिकारी स्वच्छता के लिए श्रमदान करने हेतु आगे आए हैं। छात्रों की मौजूदगी में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की इस पहल में मंत्रालय के वरिष्ठ आईएएस व अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। श्रमदान के बाद 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' के तहत पौधारोपण भी किया गया। छात्रों ने पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण तथा टिकाऊ जीवनशैली का संदेश दिया।



इस दौरान स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि रोजमर्रा की आदत बनाने का संदेश दिया गया। शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली के एक पीएम श्री स्कूल में स्वच्छता श्रमदान का यह आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत किया गया। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव टी. के. अनिल कुमार ने यहां श्रमदान का नेतृत्व किया। इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन मिशन लाइफ के लिए ईको क्लब के तहत किया गया।

इसमें छात्रों, शिक्षकों, वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय विद्यालय संगठन के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की। स्वच्छता अभियान केवल स्कूल परिसर तक सीमित नहीं रहा। स्कूल के आसपास के सामुदायिक क्षेत्र और सामने स्थित पार्क में भी सफाई की गई। स्कूल और आसपास के समुदाय ने मिलकर स्वच्छता मिशन को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम में छात्रों के संवाद और प्रश्नों के जरिए सीखने की इस गतिविधि ने स्वच्छता को छात्रों के लिए और अधिक रोचक बनाया। मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम के जरिए स्कूलों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। स्कूल बच्चों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदारी की आदत विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छात्रों को अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने और पर्यावरण की रक्षा में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस श्रमदान में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता की शुरुआत केवल बड़े अभियानों से नहीं, बल्कि स्कूल, घर और आसपास के छोटे-छोटे प्रयासों से होती है।

छात्रों की भागीदारी के जरिए स्वच्छ और विकसित भारत के संकल्प को रोजमर्रा के जीवन से जोड़ने पर जोर दिया गया।

उपराष्ट्रपति ने युवाओं में सेवा भाव और कर्तव्य बोध की भावना को सशक्त बनाने का आह्वान किया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में मुख्य अतिथि के रूप में 11वें संत ईश्वर सम्मान-2026 में भाग लिया और समाज की अनुकरणीय एवं नि:स्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित व्यक्तियों तथा संगठनों को संत ईश्वर सेवा सम्मान प्रदान किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संत ईश्वर सम्मान नि:स्वार्थ सेवा की भावना की स्वीकृति है और भारत की करुणा तथा उत्तरदायित्व की संस्कृति का उत्सव है। उन्होंने राष्ट्र के प्रति उनके असाधारण योगदान के लिए सभी पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं और बधाई दीं।

सीपी राधाकृष्णन ने इन पुरस्कारों को शुरू करने तथा इस पहल को लगातार 11 वर्षों तक बनाए रखने के लिए संत ईश्वर फाउंडेशन और राष्ट्रीय सेवा भारती की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाने और राष्ट्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए मौन रूप से कार्य करने वाले अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करके, ये पुरस्कार दूसरों को भी सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

सेवा की सदियों पुरानी भारतीय परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी सभ्यतागत लोकाचार एवं संस्कृति ने हमेशा सिखाया है, 'नर सेवा ही नारायण सेवा है । उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के महान संतों और विचारकों ने लोगों को स्वार्थ की संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर दूसरों के कल्याण के लिए खुद को समर्पित करने की प्रेरणा दी है।

'विकसित भारत' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि विकास को केवल आर्थिक वृद्धि, इंफ्रास्ट्रक्चर या तकनीकी प्रगति के माध्यम से नहीं मापा जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही अर्थों में विकसित भारत वह है जहां प्रत्येक नागरिक गरिमा, अवसर और आशा का अनुभव करे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक एक स्टेकहोल्डर है और सेवा संगठनों तथा व्यक्तियों का कार्य जमीनी स्तर पर राष्ट्र निर्माण का निर्माण करता है। स्वच्छ भारत मिशन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस पहल ने यह साबित कर दिखाया कि किस प्रकार 'जन भागीदारी' एक सरकारी कार्यक्रम को एक जन आंदोलन में बदल सकती है।

उपराष्ट्रपति ने युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए नशीले पदार्थों तथा मादक द्रव्यों के सेवन से पैदा होने वाले गंभीर खतरे पर भी प्रकाश डाला।

आईआईटी-दिल्ली में रिसर्च एसोसिएट समेत कई पदों पर निकली भर्ती

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक खास मौका सामने आया है। दरअसल, आईआईटी-दिल्ली ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में संविदा के आधार पर रिसर्च एसोसिएट सहित कुल 9 पदों पर भर्ती की घोषणा एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी करके की है।

आईआईटी-दिल्ली की ओर से जारी 9 रिक्तियों में रिसर्च एसोसिएट (ढ्ढ) के 2, रिसर्च एसोसिएट (ढ्ढ) के 3 और जूनियर प्रोजेक्ट असिस्टेंट (टेक्निकल) के 4 पद शामिल हैं।

इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन (ईमेल) के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 28 सितंबर से जारी है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर तक तय की गई है। ऐसे में जो उम्मीदवार इन पोस्ट पर नियुक्त होने की इच्छा रखते हैं, उन्हें तय अंतिम तिथि की शाम 5 बजे तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी करने की सलाह दी जाती है।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से रिसर्च एसोसिएट पदों के लिए पीएचडी/एमडी/एमएस/एमडीएस या इसके बराबर की डिग्री के साथ ही रिसर्च, टीचिंग और डिजाइन व डेवलपमेंट का 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

वहीं, जूनियर प्रोजेक्ट असिस्टेंट (टेक्निकल) के लिए संबंधित विषय में तीन वर्ष का डिप्लोमा/ग्रेजुएट डिग्री या संबंधित ट्रेड में आईटीआई (2 वर्ष का कोर्स) और 6 वर्ष का संबंधित काम का अनुभव होना भी जरूरी है।

गृह मंत्री अमित शाह भोपाल में गौपालक सम्मेलन को करेंगे संबोधित, न्याय संहिता पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का भी होगा उद्घाटन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश के सहकारिता क्षेत्र को सशक्त, आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि का प्रभावी माध्यम बनाने के साथ-साथ डेयरी सहकारिता के माध्यम से पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और विशेष रूप से महिला सदस्यों की आय एवं आर्थिक भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

इसी दिशा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर 2026 को मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित दशहरा मैदान में आयोजित गौपालक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा न्याय संहिता पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह न्याय संहिता पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे नवीन न्यायिक संहिता के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश पुलिस की उपलब्धियों से संबंधित प्रदर्शनी खंडों का भी अवलोकन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान भोपाल में 'मोरवन प्रोजेक्ट' के तहत नगर वन विकसित करने के लिए कृषक भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड और मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान भी किया जाएगा।

'टक्कर गिरोह'का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को हत्या के प्रयास के मामले में 'टक्कर गिरोह' के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शख्स को पहले ही घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान दिल्ली के डाबरी का निवासी 30 वर्षीय गुलाम ख्वाजा उर्फ ??आले के रूप में हुई है। उसे एनडीआर/क्राइम ब्रांच की एक टीम ने गिरफ्तार किया। सागरपुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 और 34 तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 594/2023 के संबंध में वह वांछित था।

पुलिस के अनुसार, नवंबर 2023 में इरफान रघु नगर इलाके में सट्टा का कारोबार चला रहा था। इरफान के साथ सट्टेबाजी में शामिल कुणाल को नुकसान हुआ और उसे बकाया राशि चुकाने के लिए कहा गया। इसके बाद उसने विक्की उर्फ ??टक्कर से संपर्क किया, जो उस समय जेल में था, और उससे मदद मांगी।

पुलिस ने बताया कि विक्की उर्फ ??टक्कर ने फिर अपने साथी गुलाम ख्वाजा उर्फ ??आले से संपर्क किया और उसे इरफान के सट्टेबाजी के अड्डे पर जाने का निर्देश दिया। ख्वाजा ने कथित तौर पर एक पिस्तौल का इंतजाम किया और उसे अमन को सौंपते हुए इरफान पर गोली चलाने का आदेश दिया।

3 दिसंबर, 2023 को रात करीब 8 बजे, गुलाम, कुणाल, हेमू और अमन इरफान के सट्टेबाजी के अड्डे पर पहुंचे। अमन ने कथित तौर पर इरफान पर दो गोलियां चलाईं।

जिनमें से एक गोली उसके पैर में लगी, जबकि दूसरी चूक गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान, स्थानीय पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और पिस्तौल अमन से बरामद कर ली गई।

दिल्ली: आनंद विहार मार्केट में चला स्वच्छता अभियान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। गांधी जयंती के अवसर पर शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने आनंद विहार मार्केट इलाके में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय लोग भी सफाई अभियान में शामिल हुए। डीसीपी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं होना चाहिए, बल्कि सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में इसे नियमित रूप से जारी रखा जाना चाहिए।

डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के साथ स्वच्छता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। पिछले कई वर्षों से स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया जा रहा है और इसे गंभीरता से लिया जाता है। उन्होंने बताया कि सरकारी इमारतों में सफाई का अभियान पूरे साल चलता रहता है, लेकिन इस बार सार्वजनिक स्थानों और बाजारों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में आनंद विहार मार्केट में सफाई अभियान आयोजित किया गया।

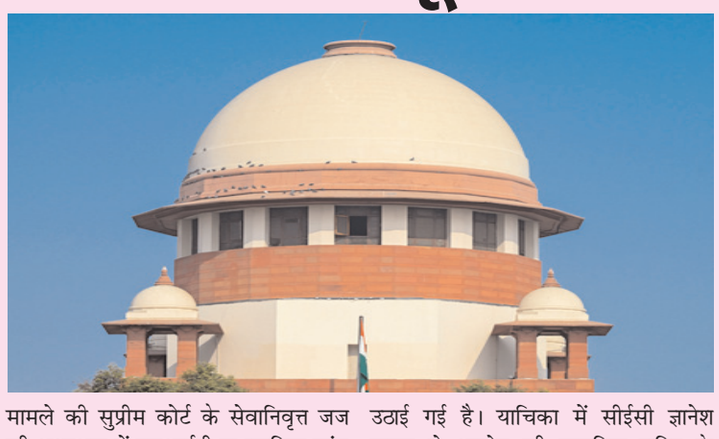
अभियान में आनंद विहार थाने के पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय लोग भी शामिल हुए। डीसीपी ने कहा कि जब पुलिस और आम जनता मिलकर सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई में भाग लेते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है। राजेंद्र प्रसाद मीणा ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल गांधी जयंती तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सफाई का यह प्रयास आगे भी जारी रखा जाएगा, ताकि बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थान साफ-सुथरे रहें। उन्होंने स्वच्छता को नियमित आदत बनाने पर जोर दिया।

इसी बीच, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के बारे में एसीपी पवन कुमार ने कहा कि आज गांधी जी की जयंती है और हम इसे यहां स्वच्छता दिवस के तौर पर मनाते हैं। यह अभियान कई सालों से चल रहा है और इसे बहुत गंभीरता से लिया जाता है।

खासकर सरकारी इमारतों में हमारा स्वच्छता अभियान पूरे साल चलता रहता है। लेकिन बाज़ारों और सार्वजनिक जगहों के लिए, आज हमने इसे कैवेंडिश मार्केट में चलाया। आनंद विहार पुलिस स्टेशन के स्टाफ और आम लोग भी यहां मौजूद थे, जिनके साथ मिलकर हमने यह अभियान चलाया। तो, यह सिर्फ एक दिन का अभियान नहीं है; यह पूरे साल चलता रहेगा और हम इसके अच्छे नतीजे देख रहे हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 5 अक्टूबर को होगी सुनवाई

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 5 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

यह सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच करेगी। याचिकाओं में एसआईआर से जुड़े कथित एकतरफा फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर में किए गए बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ताओं ने सीईसी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर के दौरान करीब 13 करोड़ नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। इस मामले की सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एसआईटी या न्यायिक जांच कराने की मांग की गई है।

साथ ही, ईसीआईनेट और ईआरओनेट का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग उठाई गई है। याचिका में सीईसी ज्ञानेश कुमार से आयोग की सामूहिक शक्ति के इस्तेमाल का कानूनी आधार बताने के लिए कहा गया है। इसके अलावा ईसीआई के मूल रिकॉर्ड, फाइल नोटिंग और बैठकों के कार्यवृत्त को तलब करने की भी मांग की गई है।

याचिकाओं में सबसे बड़ी मांग यह है कि जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक ज्ञानेश कुमार को सीईसी के तौर पर काम करने से रोका जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि अगर एसआईआर से जुड़े फैसले एकतरफा लिए गए हैं और सॉफ्टवेयर में बदलाव किया गया है, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसलिए कोर्ट को इस पूरे मामले की गहराई से जांच करनी चाहिए और चुनाव आयोग के रिकॉर्ड को सामने लाना चाहिए।

अब सभी की नजर 5 अक्टूबर को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी है, जहां सीजेआई की बेंच इस मामले पर क्या रुख अपनाती है।

दिल्ली: सुरक्षा ऑडिट के बाद डीडीए ने 520 पार्कों में रोशनी बढ़ाई, 323 पार्कों में सीसीटीवी कैमरे लगाए

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने उपराज्यपाल टीएस संधू के आदेश पर 736 पार्कों का ऑडिट पूरा करने के बाद 323 पार्कों में सीसीटीवी नेटवर्क को मजबूत करना, 520 पार्कों में अंधेरे स्थानों के पास रोशनी बढ़ाना और सुरक्षा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अपनाना शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

विवरण में कहा गया कि सभी डीडीए पार्कों के ऑडिट के बाद, इन्हें प्राथमिकता के आधार पर हस्तक्षेप के लिए उच्च जोखिम (190), मध्यम जोखिम (258), और कम जोखिम (288) श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया था।

इसमें आगे कहा गया कि पिछले सप्ताह किए गए ऑडिट के आधार पर 106 पार्कों में काम पहले ही पूरा हो चुका है।

ऑडिट में पाया गया कि 16 पार्कों में सीसीटीवी सिस्टम उपलब्ध हैं और 323 अतिरिक्त पार्कों को स्थापना के लिए चिन्हित किया गया है।

इसमें यह भी कहा गया कि डीडीए ने बताया कि 115 पार्कों में सुरक्षा सूचना बोर्ड लगाए जा चुके हैं और 484 अतिरिक्त साइनबोर्ड लगाने का काम अभी जारी है।

डीडीए ने आगे कहा कि पहचाने गए 399 पार्कों में से 233 में पार्क की सीमा संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया है और टूटी हुई ग्रिलों की मरम्मत और प्रतिस्थापन का काम पूरा हो चुका है। शौचालयों और परित्यक्त ढांचों के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की भी पहचान की गई है और उन पर सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, 245 प्रमुख पार्कों में रात्रि गश्त शुरू कर दी गई है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415